सुविचार

जैसे हर रास्ते पर
कुछ न कुछ
परेशानी होती है,
वैसे ही हर परेशानी
का कुछ न कुछ
रास्ता होता है..।

प्रथम न्यूज

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

PRATHAM NEWS

Website: www.prathamnews.in

email:- dainikprathamnews@gmail.com

Pratham News

@dainikprathamnews

बेंगलुरु के गेंदबाजों पर बरसी हैदराबाद की तिकड़ी...

» पृष्ठ 7 पर

जालंधर, वर्ष: 16 अंक : 141 | दिनांक : शनिवार, 23 मई 2026 | सम्पादक : विवेक धीर | सम्पर्क: | 97796-00900 | पन्ने- 8 | मूल्य: ₹ 2.00/- | RNI No I PUNHIN/2010/36540

पंजाब में पहली बार एशियन हॉकी चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी

पंजाब बनेगा अंतरराष्ट्रीय हॉकी का केंद्र, मोहाली-जालंधर में होंगे बड़े मुकाबले : मान

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने की तैयारियों की समीक्षा, 'रंगला पंजाब' की ओर कदम

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़

22 मई (एएम नाथ)

पंजाब इस साल अक्टूबर में पहली बार प्रतिष्ठित एशियन हॉकी चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी करने जा रहा है, जिसे राज्य के खेल इतिहास में एक बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। इस अंतरराष्ट्रीय आयोजन को लेकर राज्य सरकार और भारतीय हॉकी महासंघ मिलकर तैयारियों को अंतिम रूप देने में जुटे हैं। इस टूर्नामेंट के माध्यम से पंजाब की हॉकी विरासत को वैश्विक मंच पर नई पहचान मिलने की उम्मीद है।

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने हाल ही में हॉकी इंडिया के अधिकारियों के साथ बैठक कर तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार खिलाड़ियों और अधिकारियों के लिए विश्व स्तरीय सुविधाएं, सुरक्षा व्यवस्था और बेहतर आतिथ्य सुनिश्चित करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब हमेशा से हॉकी की नर्सरी रहा है और यह आयोजन युवाओं को खेलों से जोड़ने में अहम भूमिका निभाएगा।

उन्होंने बताया कि एशियाई खेलों के बाद शीर्ष छह टीमें इस चैंपियंस ट्रॉफी में हिस्सा लेंगी, जिससे मुकाबले और भी रोमांचक होंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि इतने बड़े स्तर की अंतरराष्ट्रीय हॉकी प्रतियोगिता की मेजबानी मिलना पंजाब के लिए गर्व की बात है और इससे राज्य की खेल छवि को वैश्विक पहचान मिलेगी। टूर्नामेंट के

मैच दो प्रमुख स्थानों पर आयोजित किए जाएंगे।

मोहाली स्थित ऐतिहासिक बलबीर सिंह सीनियर हॉकी स्टेडियम और जालंधर का सुरजीत हॉकी स्टेडियम। इन दोनों स्थानों पर अंतरराष्ट्रीय स्तर की तैयारियां तेज कर दी गई हैं ताकि खिलाड़ियों और दर्शकों को बेहतरीन अनुभव मिल सके।

मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि राज्य में एक चार-देशीय हॉकी टूर्नामेंट आयोजित करने की भी मंजूरी दी गई है, जिससे पंजाब में खेल गतिविधियों को और बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि यह आयोजन युवाओं के लिए प्रेरणा बनेगा और राज्य में खेल संस्कृति को मजबूत करेगा।

भगवंत सिंह मान ने अपने सोशल मीडिया संदेश में कहा कि पंजाब को लंबे समय बाद इतने बड़े अंतरराष्ट्रीय हॉकी आयोजन की मेजबानी का अवसर मिला है। उन्होंने इसे राज्य के लिए ऐतिहासिक क्षण बताते हुए सभी से मिलकर रंगला पंजाब के सपने को साकार करने की अपील की।

सरकार का मानना है कि यह आयोजन न केवल खेल बुनियादी ढांचे को मजबूत करेगा, बल्कि पंजाब को अंतरराष्ट्रीय खेल मानचित्र पर भी एक नई पहचान दिलाएगा।

संक्षिप्त न्यूज

सुप्रीम कोर्ट के निर्देश लागू करेगा पंजाब

भीड़भाड़ वाले इलाकों से हटेंगे आवारा कुत्ते

चंडीगढ़ (ब्यूरो)- आवारा कुत्तों की बढ़ती समस्या को लेकर पंजाब सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के 19 मई 2026 के आदेश को लागू करने का फैसला किया है। इसके तहत भीड़भाड़ वाले इलाकों से कुत्तों को हटाने और सुरक्षा उपायों को मजबूत करने पर जोर दिया जाएगा।

सरकार के मुताबिक, हाई फुटफॉल वाले सार्वजनिक स्थानों, जैसे बाजार, पार्क और रिहायशी कॉम्प्लेक्स से आवारा कुत्तों को हटाया जाएगा। इसका उद्देश्य आम लोगों, खासकर बच्चों और बुजुर्गों के लिए सुरक्षित माहौल सुनिश्चित करना है। हटाए गए कुत्तों के लिए पर्याप्त संख्या में डॉग शेल्टर बनाए और संचालित किए जाएंगे। इन जगहों पर उनकी देखभाल, इलाज और भोजन की व्यवस्था की जाएगी, ताकि मानवीय तरीके से समस्या का समाधान हो सके।

ओडिशा से अग्नि-1 बैलिस्टिक मिसाइल का सफल परीक्षण

सभी तकनीकी मानकों पर खरी उतरी

भुवनेश्वर (ब्यूरो)- भारत ने अपनी सामरिक क्षमता को एक बार फिर मजबूत करते हुए शॉर्ट रेंज बैलिस्टिक मिसाइल 'अग्नि-1' का सफल परीक्षण किया है। यह परीक्षण 22 मई 2026 को ओडिशा के चांदीपुर स्थित इंटीग्रेटेड टेस्ट रेंज (ITR) से किया गया।

रक्षा मंत्रालय के अनुसार, इस परीक्षण के दौरान मिसाइल ने सभी ऑपरेशनल और तकनीकी मानकों को पूरी तरह सफलतापूर्वक पूरा किया। लॉन्च स्ट्रैटेजिक फोर्सेज कमांड के तत्वावधान में किया गया, जो देश के परमाणु और मिसाइल तंत्र की जिम्मेदारी संभालता है।

अग्नि-1 की क्या खासियत?

अग्नि-1 भारत की शॉर्ट रेंज बैलिस्टिक मिसाइल है, जो तेजी से लक्ष्य भेदने की क्षमता रखती है। इसकी मारक क्षमता करीब 700-900 किलोमीटर है। यह परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम है। खास बात यह है कि ये मिसाइल मोबाइल लॉन्च प्लेटफॉर्म से दागी जा सकती है। इसे त्वरित प्रतिक्रिया के हिसाब से डिजाइन किया गया है।

बीजेपी में संगठनात्मक बदलाव की बड़ी तैयारी

हरियाणा, दिल्ली, कर्नाटक और त्रिपुरा को जल्द मिलेंगे नए प्रदेश अध्यक्ष

संगठनात्मक बदलावों के जरिए चुनावी रणनीति को धार देने की कोशिश

» प्रथम न्यूज । नई दिल्ली

22 मई (एएम नाथ)

भारतीय जनता पार्टी देश के कई राज्यों में संगठनात्मक बदलाव की बड़ी तैयारी में जुट गई है। पार्टी कर्नाटक में नए प्रदेश अध्यक्ष के चयन की प्रक्रिया को अंतिम रूप देने के करीब है, जिसके बाद हरियाणा, दिल्ली और त्रिपुरा सहित अन्य राज्यों में भी नए नेतृत्व की घोषणा की जा सकती है। सूत्रों के मुताबिक यह पूरा बदलाव आगामी चुनावों को ध्यान में रखकर संगठन को मजबूत करने की रणनीति का हिस्सा है।

कर्नाटक में प्रदेश अध्यक्ष के चुनाव को लेकर केंद्रीय पर्यवेक्षक बेंगलुरु पहुंच चुके हैं और राज्य के वरिष्ठ नेताओं से

लगातार राय-मशविरा किया जा रहा है। लगभग 25 वरिष्ठ नेताओं से संगठनात्मक संतुलन और आगामी राजनीतिक दिशा पर सुझाव लिए गए हैं।

इस प्रक्रिया में पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बैजयन्त पंडा और संगठन सहसचिव शिव प्रकाश को पर्यवेक्षक के तौर पर भेजा गया है। वे अपनी रिपोर्ट केंद्रीय नेतृत्व को सौंपेंगे, जिसके आधार पर अंतिम निर्णय लिया जाएगा। मौजूदा कर्नाटक प्रदेश अध्यक्ष विजयीन्द्र यदियुरप्पा इस दौड़ में सबसे मजबूत दावेदार माने जा रहे हैं। उनका कार्यकाल नवंबर में पूरा हो रहा है और संगठन में उनकी पकड़ तथा राज्य के विभिन्न गुटों के बीच संतुलन बनाने की क्षमता को उनकी सबसे बड़ी ताकत माना जा रहा है।

वहीं पार्टी नेतृत्व यह भी सुनिश्चित करना चाहता है कि नया अध्यक्ष आगामी चुनावों को ध्यान में रखते हुए संगठन को और अधिक सक्रिय और जमीनी स्तर पर मजबूत बनाए।

सूत्रों के अनुसार, कर्नाटक के बाद बीजेपी हरियाणा, दिल्ली और त्रिपुरा में भी प्रदेश अध्यक्ष बदलने की प्रक्रिया तेज करेगी। इन राज्यों में संगठनात्मक पुनर्गठन का उद्देश्य आगामी चुनावों से पहले पार्टी की पकड़ मजबूत करना है। विशेष रूप से दिल्ली और हरियाणा में राजनीतिक संदेश और रणनीतिक संतुलन को ध्यान में रखते हुए नियुक्तियां की जाएंगी। वहीं त्रिपुरा में भी संगठन को नए सिरे से सक्रिय करने की योजना है।

इसके अलावा, पार्टी नेतृत्व का ध्यान उन राज्यों पर भी है जहां अगले चुनाव महत्वपूर्ण माने जा रहे हैं, जैसे पंजाब। माना जा रहा है कि इन सभी बदलावों के जरिए बीजेपी अपने संगठन को नई ऊर्जा देने और चुनावी तैयारियों को गति देने की दिशा में आगे बढ़ रही है। पार्टी नेतृत्व का मानना है कि मजबूत और सक्रिय प्रदेश संगठन ही आने वाले चुनावों में बेहतर प्रदर्शन की कुंजी होगा।

माउंट एवरेस्ट से उतर रहे 2 भारतीय की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)- दुनिया की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट फतह करने वाले दो भारतीय पर्वतारोहियों की नीचे उतरते समय मौत हो गई। यह जानकारी शुक्रवार, 22 मई को एक अधिकारी ने दी। मृत पर्वतारोहियों की पहचान अरुण कुमार तिवारी और संदीप आरे के रूप में हुई है। नेपाल एक्सपीडिशन ऑपरेटर्स एसोसिएशन के महासचिव ऋषि भंडारी ने बताया कि दोनों पर्वतारोही चोटी से नीचे उतरते समय बेहद थक गए थे। उनके गाइडों ने उन्हें बचाने की पूरी कोशिश की, लेकिन उन्हें बचाया नहीं जा सका। ऋषि भंडारी ने बताया कि ऐसा लगता है कि संदीप आरे ने बुधवार को एवरेस्ट फतह किया था, जबकि अरुण कुमार तिवारी गुरुवार शाम करीब 5:30 बजे चोटी पर पहुंचे थे। उन्होंने कहा कि गाइडों ने बहुत मेहनत की, लेकिन दोनों को बचा नहीं पाए। संदीप आरे की मौत गुरुवार को हुई। वहीं अरुण कुमार तिवारी की मौत कब हुई, यह अभी साफ नहीं हो पाया है। इस मामले में आगे की जानकारी का इंतजार किया जा रहा है। बुधवार को संदीप आरे समेत तीन भारतीय उन 274 पर्वतारोहियों में शामिल थे जिन्होंने 8,848.86 मीटर ऊंचे माउंट एवरेस्ट पर चढ़ाई पूरी की थी। यह एक दिन में एवरेस्ट फतह करने वालों की अब तक की सबसे बड़ी संख्या का नया रिकॉर्ड था। बाकी दो भारतीयों के नाम तुलसी रेड्डी पालपुनूरी और अजय पाल सिंह ढालीवाल हैं। इसके अगले दिन यानी गुरुवार को भारत के लक्ष्मीकांत मंडल ने भी दुनिया की सबसे ऊंची चोटी पर पहुंचने में सफलता हासिल की।

भारत हमारा बेहतरीन दोस्त, जितना तेल चाहिए हम देने को तैयार

विदेश मंत्री मार्को रूबियो का बड़ा बयान

» प्रथम न्यूज । वॉशिंगटन

22 मई (एजेंसी)

अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने भारत दौरे पर आने से पहले एक बड़ा बयान दिया है। उन्होंने बयान में कहा है कि अमेरिका भारत को एनर्जी (ऊर्जा) बेचने को तैयार है। उन्होंने साफ करते हुए कहा कि भारत चाहे जितनी ऊर्जा चाहे उतनी हम उसे देने को तैयार हैं। भारत आने से पहले रुबियो का यह बयान काफी मायने रखता है। जानकारी के मुताबिक अमेरिकी विदेश मंत्री इसी महीने 23 से 26 मई तक भारत के दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वे कोलकाता, आगरा, जयपुर और राजधानी दिल्ली की भी यात्रा करेंगे। रुबियो ने यह बयान मियामी में संवाददाताओं से बात करते समय दिया। उन्होंने भारत को एक बेहतरीन सहयोगी और भागीदार भी बताया है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की तारीफ करते हुए, अमेरिकी विदेश मंत्री ने दोनों देशों के बीच व्यापारिक संबंधों को बढ़ाने के लिए बहुत जोश दिखाया। स्वीडन और भारत की यात्रा पर निकले रुबियो ने मियामी में कहा कि ठीक है, हम उन्हें उतनी ही एनर्जी बेचना चाहते हैं जितनी वे खरीदेंगे, और जाहिर है, आपने देखा है कि मुझे लगता है कि हम अमेरिकी प्रोडक्शन और एक्सपोर्ट के ऐतिहासिक लेवल पर हैं। सेक्रेटरी ऑफ स्टेट ने अलग-अलग

इंटरनेशनल चैनलों के जरिए भारत के एनर्जी सिक्योरिटी पोर्टफोलियो को मजबूत करने की वाशिंगटन की इच्छा पर भी जोर दिया, और होर्मुज स्ट्रेट के बंद होने से पैदा हुए अंतरराष्ट्रीय एनर्जी दबावों को भी स्वीकार किया है। रुबियो ने कहा कि हम और ज्यादा करना चाहते हैं। हम पहले से ही उनसे और ज्यादा करने के लिए बात कर रहे थे।

हम चाहते हैं कि वे उनके पोर्टफोलियो का एक बड़ा हिस्सा बनें। हमें यह भी लगता है कि वेनेजुएला के तेल में मौके हैं।

मार्को रुबियो ने कहा कि भारत दौरा उनके और अमेरिका दोनों के लिए बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि दौरे के दौरान वे क्वाड सम्मेलन में शामिल होंगे और उनके देशों के मंत्रियों से मिलेंगे। रुबियो ने आगे कहा कि क्वाड देश बहुत अच्छे साथी हैं, एक बहुत अच्छे पार्टनर हैं। हम उनके साथ बहुत अच्छा काम करते हैं और इसलिए यह एक जरूरी दौरा है।

मुझे खुशी है कि हम यह कर पाए क्योंकि मुझे लगता है कि हमारे पास बात करने के लिए बहुत कुछ होगा। बता दें, 26 मई को क्वाड देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक होने वाली है। इस सम्मेलन की अध्यक्षता भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर करेंगे।

अमेरिका के टॉप डिप्लोमैट ने प्लुरिलैटरल आर्किटेक्चर के अंदर दोनों लोकतंत्र के बीच गहरे इंस्टीट्यूशनल कोऑपरेशन पर और जोर दिया। रुबियो ने आगे कहा कि हम वहां क्वाड से भी मिलेंगे, जो जरूरी है। मुझे लगता है कि सेक्रेटरी ऑफ स्टेट के तौर पर मेरी पहली मीटिंग क्वाड के साथ थी। मुझे खुशी है कि हम अब इंडिया में ऐसा कर पा रहे हैं, और हम इस साल के आखिर में भी एक मीटिंग करने वाले हैं।

मुख्यमंत्री सुक्खू का केंद्र और भाजपा पर तीखा हमला

महंगाई, आपदा राहत और शिक्षा पर सुक्खू ने गिनाईं सरकार की उपलब्धियां

» प्रथम न्यूज । शिमला

22 मई (एएम नाथ)

शिमला में मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने केंद्र सरकार और भारतीय जनता पार्टी पर कई गंभीर आरोप लगाए हैं। नई दिल्ली से शिमला लौटने के बाद पत्रकारों से अनौपचारिक बातचीत में उन्होंने कहा कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी सच बोलते हैं, इसलिए भाजपा उन्हें निशाना बनाती है। सुक्खू के अनुसार राहुल गांधी देश की वास्तविक समस्याओं को उठाते हैं, लेकिन भाजपा उन्हें स्वीकार करने के बजाय ध्यान भटकाने की कोशिश करती है।

मुख्यमंत्री ने महंगाई का मुद्दा उठाते हुए कहा कि केंद्र सरकार द्वारा पेट्रोल और डीजल के दाम बढ़ाने से देश में महंगाई और बढ़ेगी। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य सरकार ने विधवा और अनाथ बच्चों की सहायता के लिए पेट्रोल-डीजल

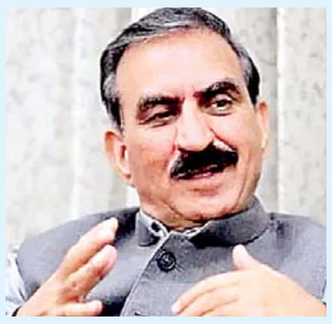

पर 5 रुपये सेस लगाने का प्रस्ताव बनाया था, लेकिन उसे लागू नहीं किया गया।

सुक्खू ने आरोप लगाया कि भाजपा हिमाचल प्रदेश के अधिकारों की लड़ाई में सहयोग नहीं कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा घोषित 1,500 करोड़ रुपये के पैकेज को दिलाने में भी भाजपा नेताओं ने कोई मदद नहीं की और आपदा प्रभावितों के लिए एक बीघा जमीन दिलाने के प्रयास भी नहीं हुए। उन्होंने दावा किया कि केंद्र सरकार ने राजस्व घाटा अनुदान बंद करने के साथ-साथ मनरेगा जैसी योजनाओं पर भी असर डाला है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हिमाचल प्रदेश आज जलवायु परिवर्तन की गंभीर चुनौती से जूझ रहा है और पिछले तीन वर्षों में प्राकृतिक आपदाओं से राज्य को लगभग 20 हजार करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। शिक्षा व्यवस्था पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि पिछली डबल इंजन सरकार के समय प्रदेश शिक्षा के मामले में 21वें स्थान पर था, जबकि वर्तमान सरकार ने अंग्रेजी माध्यम और सीबीएसई पैटर्न लागू कर सुधार किया है और राज्य अब छठे स्थान पर पहुंच गया है।

नगर निकाय चुनावों को लेकर सुक्खू ने दावा किया कि 47 में से 25 निकायों में कांग्रेस ने जीत दर्ज की है, जबकि 5 में बराबरी रही है। उन्होंने कहा कि विभिन्न जिलों में कांग्रेस की मजबूत बढ़त है और भाजपा के जीत के दावे गलत हैं।

बकरीद पर सड़कों पर नहीं होगी नमाज : योगी

सीएम योगी के बयान का मुस्लिम धर्मगुरुओं ने किया समर्थन

» प्रथम न्यूज । लखनऊ

22 मई (ब्यूरो)

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सड़कों पर नमाज नहीं के बयान के समर्थन में मुस्लिम धर्मगुरु भी आ गए हैं।

इन सबने एक स्वर में कहा है कि बकरीद की नमाज मस्जिदों के भीतर ही अदा की जाएगी। इतना ही नहीं अगर जरूरत पड़ी तो नमाज अलग-अलग शिफ्ट में होगी। मुस्लिम धर्मगुरुओं ने कहा है कि ईद-उल-अजहा यानी बकरीद की नमाज हर वर्ष की तरह इस बार भी मस्जिदों और ईदगाहों के परिसर के भीतर ही अदा की जाएगी। भीड़ ज्यादा होने की स्थिति में नमाज के लिए कई शिफ्ट की व्यवस्था की जा सकती है। बकरीद का पर्व 28 मई को है। लखनऊ सहित प्रदेश के सभी जिलों में इसकी तैयारियां जोरों पर हैं। इसी

दौरान मुस्लिम धर्मगुरुओं ने बकरीद पर कुर्बानी और नमाज को लेकर एडवाइजरी जारी की है। शिया धार्मिक नेता मौलाना सैफ अब्बास ने कहा कि हमारा स्पष्ट कहना है कि बकरीद के दिन आपको कुर्बानी करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि लेकिन सिर्फ उन पशुओं की जिनकी हमारे देश के संविधान में कुर्बानी करने की अनुमति दी गई है।

12 सूत्रीय एडवाइजरी जारी

लखनऊ में मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली ने शुक्रवार को देश भर के मुसलमानों के लिए बकरीद की 12 सूत्रीय एडवाइजरी जारी की। उन्होंने इस्लामिक सेंटर ऑफ इंडिया से एडवाइजरी करने के दौरान कहा कि बकरीद की नमाज मस्जिदों और ईदगाहों में ही पढ़ें। मुसलमान सड़कों पर नमाज न पढ़ें, अगर मस्जिदों और ईदगाहों में भीड़ अधिक हो तो शिफ्ट में नमाज पढ़ने में कोई हर्ज नहीं हैं, लेकिन सड़क पर नमाज न पढ़ें।

उन्होंने कहा कि बकरीद पर कानूनी रूप से मान्य जानवरों की ही कुर्बानी हो। किसी भी कुर्बानी के फोटो या वीडियो को सोशल मीडिया पर शेयर न करें। उन्होंने कहा कि कुर्बानी का हिस्सा गरीबों और जरूरतमंदों में बांटे। इसके साथ ही कुर्बानी वाले स्थल की साफ-सफाई और स्वच्छता के बेहतर इंतजाम रखें। तय और अनुमति वाले स्थानों पर ही कुर्बानी करें। सड़क और गलियों में बिल्कुल भी कुर्बानी न करें।

प्रथम न्यूज
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
पंजाब न्यूज
Website : www.prathamnews.in

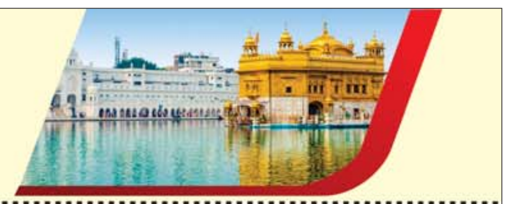

संक्षिप्त न्यूज

बटाला में भीषण बस हादसा, दो की मौत; कई घायल

राहत-बचाव अभियान जारी, मुख्यमंत्री ने जताया दुख

गुरदासपुर (ब्यूरो)– पंजाब के गुरदासपुर जिले के बटाला इलाके में शुक्रवार को एक भीषण सड़क हादसा हुआ, जब अमृतसर से जम्मू जा रही यात्रियों से भरी बस सेखवां पुलिस स्टेशन के पास अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे के बाद मौके पर अफरा–तफरी मच गई और चीख–पुकार सुनकर आसपास के लोग तुरंत मदद के लिए पहुंचे। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार इस दुर्घटना में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि कई यात्री घायल हो गए हैं। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस, रोड सेफ्टी फोर्स और मेडिकल टीम मौके पर पहुंची और तेजी से राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। घायलों को बस से निकालकर नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है। कुछ घायलों की हालत गंभीर बताई जा रही है। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने इस हादसे पर गहरा दुख व्यक्त किया है और मृतकों के परिवारों के प्रति संवेदना जताई है। राज्य सरकार ने मृतकों के परिजनों को आर्थिक सहायता देने और घायलों को मुफ्त इलाज उपलब्ध कराने की घोषणा की है। पुलिस हादसे के कारणों की जांच कर रही है।

माइलोडिस्प्लास्टिक सिंड्रोम से पीड़ित बुजुर्ग का लिवासा अस्पताल में सफल इलाज हुआ

खन्ना (जगमीत घुम्मन)– माइलोडिस्प्लास्टिक सिंड्रोम से पीड़ित 86 वर्षीय पुरुष मरीज का लिवासा अस्पताल खन्ना में सफलतापूर्वक इलाज किया गया। सिंड्रोम एक्यूट मायलोइड ल्यूकेमिया की ओर बढ़ रहा था और मरीज गंभीर सेप्सिस, शॉक, निमोनिया, एक्यूट किडनी इंजरी और अन्य कई संबंधित जटिलताओं से पीड़ित था।

मरीज को लगभग तीन सप्ताह से बुखार, पेट दर्द और दस्त की शिकायत के साथ अस्पताल लाया गया था। विस्तृत जांच करने पर, लिवासा अस्पताल के डॉक्टरों ने गंभीर एनीमिया, प्लेटलेट की संख्या में भारी कमी, श्वेत रक्त कोशिकाओं की संख्या में वृद्धि और एक्यूट किडनी इंजरी की पहचान की। सीरम प्रोटीन इलेक्ट्रोफोरेसिस और पेरीफेरल ब्लड स्मीयर सहित आगे की जांचों से गंभीर रक्त विकार के संकेत देने वाली महत्वपूर्ण असामान्यताएं पाई गईं।

कंसल्टेंट और एसोसिएट डायरेक्टर–इंटरनल मेडिसिन, लिवासा अस्पताल खन्ना , डॉ. नितिन मित्तल ने बताया कि भर्ती के समय मरीज की हालत गंभीर थी और उन्हें तत्काल गहन चिकित्सा की आवश्यकता थी।

मरीज को रक्त चढ़ाया गया और गंभीर सेप्सिस को नियंत्रित करने के लिए व्यापक स्पेक्ट्रम वाली अंत:शिरा एंटीबायोटिक दी गईं। उपचार के बाद, मरीज को की नैदानिक स्थिति में उल्लेखनीय सुधार हुआ, महत्वपूर्ण मापदंडों में स्थिरता आई, गंभीर संक्रमण और एनीमिया में भी सुधार हुआ। बाद में मरीज को हीमो डायनेमिक रूप से स्थिर स्थिति में आगे की विशेष देखभाल के लिए अस्पताल से छुट्टी दे दी गई।

बीएससी फैशन डिजाइनिंग के सेमेस्टर तीसरे का परिणाम शानदार

होशियारपुर / माहिलपुर (तरसेम दीवाना) – पंजाब यूनिवर्सिटी चंडीगढ़ द्वारा घोषित परिणामों में क्षेत्र के श्री गुरु गोबिंद सिंह खालसा कॉलेज माहिलपुर में चल रहे कोर्स बीएससी फैशन डिजाइनिंग के सेमेस्टर तीसरे का परिणाम शानदार रहा है। इस बारे में बात करते हुए कॉलेज के प्रिंसिपल डा. परविंदर सिंह और फैशन डिजाइनिंग विभाग के प्रमुख प्रो. राजविंदर कौर ने बताया कि बीएससी फैशन डिजाइनिंग के तीसरे सेमेस्टर के परिणाम में छात्रा अर्शदीप कौर और मनप्रीत कौर ने 93.3 फीसदी बराबर अंक प्राप्त करके संयुक्त रूप से पहला स्थान प्राप्त किया। उन्होंने बताया कि छात्रा नेहा ने 92 फीसदी अंकों के साथ दूसरा और छात्रा जसपिंदर कौर और प्रीतिक ने 91 फीसदी अंक बराबर हासिल करके संयुक्त रूप से तीसरा स्थान हासिल किया। इस अवसर पर उन्होंने बताया कि इस सेमेस्टर के अन्य विद्यार्थी भी अच्छे अंक लेकर पास हुए हैं। इस दौरान प्रिंसिपल डा. परविंदर सिंह और फैशन डिजाइनिंग विभाग के समूह अध्यापकों ने इन छात्राओं को अच्छे परिणाम के लिए शुभकामनाएं दीं और और अधिक मेहनत करने की प्रेरणा दी।

2020 दंगा केस: सीएम भगवंत मान को हाई कोर्ट से राहत के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंचा चंडीगढ़ प्रशासन

पंजाब-हरियाणा हाई कोर्ट के फैसले को चुनौती, सुप्रीम कोर्ट में अब होगी सुनवाई

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़
22 मई (पुनीत महाजन)

2020 में बिजली टैरिफ बढ़ोतरी के खिलाफ हुए विरोध प्रदर्शन से जुड़े कथित दंगा मामले में पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान की मुश्किलें एक बार फिर बढ़ती दिख रही हैं। इस मामले में चंडीगढ़ प्रशासन ने सुप्रीम कोर्ट ऑफ इंडिया का रुख किया है और पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट द्वारा दिए गए उस आदेश को चुनौती दी है, जिसमें मुख्यमंत्री समेत कई नेताओं के खिलाफ दर्ज एफआईआर और चार्जशीट को रद्द कर दिया गया था।

यह याचिका हाल ही में सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के लिए सूचीबद्ध हुई, जहां प्रशासन की ओर से पेश वकील ने अतिरिक्त समय की मांग की। वकील ने अदालत को बताया कि वे इस मामले में राहत पाने वाले अन्य आरोपियों के खिलाफ भी एक पूरक याचिका दाखिल करना चाहते हैं, ताकि सभी पक्षों को एक साथ सुना जा सके। मामला जनवरी 2020 का है, जब आम आदमी पार्टी ने बिजली दरों में बढ़ोतरी के विरोध में चंडीगढ़ में बड़ा प्रदर्शन किया था। आरोप है कि उस समय तत्कालीन सांसद रहे भगवंत मान और अन्य नेताओं ने कार्यकर्ताओं को मुख्यमंत्री आवास के घेराव के लिए उकसाया, जिसके बाद भीड़ उग्र हो गई और पुलिस के साथ धक्का–मुक्की की स्थिति बनी।

पुलिस ने इस घटना को लेकर धारा 147 (दंगा भड़काने) समेत कई धाराओं में केस दर्ज किया था। हालांकि, हाई कोर्ट ने 29 नवंबर को यह कहते हुए एफआईआर रद्द कर दी थी कि प्रदर्शन के दौरान धारा 144 लागू नहीं थी और आरोपियों के खिलाफ व्यक्तिगत हिंसा के पर्याप्त सबूत भी नहीं मिले।

अब चंडीगढ़ प्रशासन का कहना है कि यह केवल शांतिपूर्ण प्रदर्शन नहीं था, बल्कि एक संगठित और उग्र राजनीतिक विरोध था, जिसे गंभीरता से देखा जाना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट में अब इस मामले पर आगे की सुनवाई होगी, जिससे यह तय होगा कि हाई कोर्ट का आदेश बरकरार रहेगा या नहीं।

भीषण गर्मी के चलते पंजाब में बदला स्कूल और दफ्तरों का समय

25 मई से नया टाइमिंग लागू, सुबह 7:30 से दोपहर 1:30 तक खुलेंगे संस्थान

चंडीगढ़ (एएम नाथ)– पंजाब सरकार ने राज्य में बढ़ती भीषण गर्मी और लू के प्रकोप को देखते हुए बड़ा प्रशासनिक फैसला लिया है। इसके तहत सरकारी दफ्तरों और सभी स्कूलों के समय में बदलाव किया गया है। यह नया आदेश 25 मई, सोमवार से पूरे राज्य में लागू होगा। अब सभी सरकारी कार्यालय और स्कूल सुबह 7:30 बजे खुलेंगे और दोपहर 1:30 बजे बंद हो जाएंगे। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने खुद इस फैसले की जानकारी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर साझा की। उन्होंने लिखा कि गर्मी की गंभीर स्थिति को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है ताकि कर्मचारियों और विद्यार्थियों को लू और अत्यधिक तापमान से राहत मिल सके। सरकार का मानना है कि सुबह के समय मौसम अपेक्षाकृत ठंडा रहता है, जिससे कामकाज और पढ़ाई दोनों अधिक सुरक्षित और प्रभावी ढंग से हो सकेंगे।

यह नया समय राज्य के सभी स्कूलों की सभी कक्षाओं पर लागू होगा, चाहे वे प्राथमिक हों या उच्च माध्यमिक स्तर के। इसी तरह सभी सरकारी कार्यालयों में भी कर्मचारी इसी संशोधित समय के अनुसार कार्य करेंगे। शिक्षा विभाग और प्रशासनिक विभागों को आदेशों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। पंजाब में इन दिनों तापमान लगातार बढ़ रहा है और कई जिलों में हीटवेव की स्थिति बनी हुई है। ऐसे में सरकार का यह कदम जनहित में राहत देने वाला माना जा रहा है। विशेषज्ञों का भी कहना है कि गर्मी के इस मौसम में दिन के सबसे तेज तापमान से बचने के लिए समय में यह बदलाव जरूरी था।

गुरदासपुर-पठानकोट हाईवे पर बड़ा हादसा, टूरिस्ट बस पलटी, दो कॉलेज छात्रों की मौत

» प्रथम न्यूज । धारीवाल
22 मई (अल्बर्ट गिल)

अमृतसर से जम्मू जा रही बस धारीवाल के पास हुई अनियंत्रित; पीछे चल रही कई गाड़ियां भी टकराईं, पांच घायल

दुर्घटनाग्रस्त बस। पंजाब के गुरदासपुर–पठानकोट नेशनल हाईवे पर शुक्रवार सुबह बड़ा सड़क हादसा हो गया। धारीवाल के नजदीक कलेर खुर्द इलाके में अमृतसर से जम्मू जा रही एक तेज रफ्तार टूरिस्ट बस अचानक अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गई। हादसे के तुरंत बाद बस के पीछे चल रही कई गाड़ियां भी एक–दूसरे से टकरा गईं। दुर्घटना में दो कॉलेज छात्रों की मौके पर मौत हो गई, जबकि पांच लोग घायल हो गए। सूचना मिलते ही पुलिस और स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और राहत कार्य शुरू किया गया।

बस में सवार ज्यादातर छात्र अमृतसर के ग्लोबल कॉलेज में पढ़ाई करते हैं। कॉलेज परीक्षाएं खत्म होने के बाद सभी छात्र छुट्टियां बिताने के लिए जम्मू लौट रहे थे। छात्रों में घर जाने की खुशी थी, लेकिन रास्ते में हुए हादसे ने माहौल को मातम में बदल दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक हादसा इतना तेज था कि बस सड़क पर पलटते ही पीछे चल रही गाड़ियों में भी टक्करें शुरू हो गईं।

हादसे के बाद हाईवे पर चीख–पुकार मच गई। घायल छात्रों और यात्रियों को बाहर निकालने के लिए स्थानीय लोगों ने तुरंत मदद शुरू की। हादसे में बचे छात्र नितिश, हरीश और विश्व अरोड़ा ने बताया कि अचानक बस का संतुलन बिगड़ा और जोरदार धमाके के साथ वाहन पलट गया। उन्होंने बताया कि कुछ ही सेकेंड में पूरा माहौल बदल गया और उनके दो साथियों की मौत हो गई।

दुर्घटना के कारण गुरदासपुर–पठानकोट हाईवे पर वाहनों की लंबी कतार लग गई। पुलिस प्रशासन ने मौके पर पहुंचकर एम्बुलेंस की मदद से घायलों को नजदीकी सिविल अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल सूत्रों के अनुसार कुछ घायलों की हालत गंभीर बनी हुई है। हादसे के बाद काफी देर तक हाईवे पर यातायात पूरी तरह प्रभावित रहा।

मौके पर पहुंचे पुलिस अधिकारी एएसआई बलजीत सिंह ने बताया कि पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए क्रेन मंगवाई और पलटी बस समेत टकराए वाहनों को सड़क से हटवाया। इसके बाद धीरे–धीरे हाईवे पर ट्रैफिक बहाल करवाया गया। पुलिस ने मृतक छात्रों के परिजनों को सूचना दे दी है और शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि हाईवे पर तेज रफ्तार और वाहन नियंत्रण की कमी ऐसे हादसों की बड़ी वजह बन रही है। पुलिस अब यह जांच कर रही है कि बस की रफ्तार तय सीमा से ज्यादा थी या नहीं। साथ ही तकनीकी खराबी और चालक की लापरवाही के पहलुओं को भी जांच में शामिल किया गया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

लव कुश शिक्षा केंद्र स्कूल किशनकोट में 24 मई को लगेगा स्वास्थ्य जांच शिविर

अमृतसर (साहिब दयाल) लव कुश शिक्षा केंद्र स्कूल किशनकोट में 24 मई को बड़े ही कम दाम में विशाल स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर बेस्ट ट्रीट आयुर्वेदा और सीआरएल डायग्नोस्टिक के सहयोग से आयोजित होगा, जिसमें विशेषज्ञ चिकित्सक अपनी सेवाएं प्रदान करेंगे।

जानकारी देते हुए प्रिंसिपल मैडम मोनिका बावा और विजय कुमार ने बताया कि शिविर सुबह 9:00 बजे से दोपहर 2:00 बजे तक आयोजित किया जाएगा। इस दौरान सीबीसी, एलएफटी, केएफटी, लिपिड प्रोफाइल, थायराइड, कैल्शियम, यूरीन रूटीन सहित विभिन्न रोगों की जांच की जाएगी। साथ ही जनरल मेडिकल चेकअप की सुविधा भी उपलब्ध रहेगी। उन्होंने बताया कि शिविर में आने वाले मरीजों के लिए ब्लड शुगर तथा बीपी की जांच निशुल्क की जाएगी।

AISBISF द्वारा SBI सिविल लाइंस, जालंधर में कैंडल मार्च प्रदर्शन आयोजित किया गया

» प्रथम न्यूज । जालंधर
22 मई (शिव कुमार)

ऑल इंडिया स्टेट बैंक ऑफ इंडिया स्टाफ फेडरेशन (AISBISF) द्वारा चलाए जा रहे देशव्यापी आंदोलनात्मक कार्यक्रम तथा दो दिवसीय राष्ट्रव्यापी हड़ताल के समर्थन में आज शाम 5.00 बजे एसबीआई सिविल लाइंस मुख्य शाखा, जालंधर में एक कैंडल मार्च प्रदर्शन आयोजित किया गया यह कैंडल मार्च बैंक कर्मचारियों की एकता, संघर्षशीलता और अपने अधिकारों, सम्मान तथा जायज़ मांगों की रक्षा के प्रति सामूहिक संकल्प का प्रतीक है। इस प्रदर्शन में बड़ी संख्या में बैंक कर्मचारियों एवं यूनियन सदस्यों ने भाग लेकर आंदोलन के प्रति अपनी एकजुटता और प्रतिबद्धता का प्रदर्शन किया।

कामरेड विनय डोगरा ने दोहराया कि कर्मचारियों के अधिकारों की रक्षा और न्याय की प्राप्ति के लिए एकता एवं सामूहिक संघर्ष ही सबसे बड़ी ताकत है।

एडवोकेट सेखवां ने गांव सठियाली में खेल मैदान की आधारशिला रखी

» प्रथम न्यूज । गुरदासपुर
22 मई (संदीप सन्नी)

कादियां विधानसभा क्षेत्र के इंचार्ज एडवोकेट जगरूप सिंह सेखवां ने युवाओं को खेलों से जोड़ने के उद्देश्य से गांव सठियाली में खेल मैदान का नींव पत्थर रखा। इस अवसर पर उनके साथ मार्केट कमेटी काहनूवान के चेयरमैन जसपाल सिंह पंधेर, चेयरमैन हरपाल सिंह कंग, बीडीपीओ सुखजीत सिंह, सरपंच सतनाम सिंह और बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

खेल संस्कृति को बढ़ावा : इस अवसर पर एडवोकेट सेखवां ने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार राज्य में खेल के अनुकूल माहौल बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। सरकार का मुख्य लक्ष्य पंजाब में खेल संस्कृति को पुनर्जीवित करना और राज्य को खेलों के क्षेत्र में देश का अग्रणी राज्य बनाना है।

खिलाड़ियों के लिए विशेष योजनाएं: पंजाब सरकार द्वारा खेलों को प्रोत्साहित करने के कदमों का जिक्र करते हुए उन्होंने बताया कि

बलबीर सिंह सीनियर वजीफा योजना : इस योजना के तहत राष्ट्रीय स्तर पर स्थान हासिल करने वाले खिलाड़ियों को 8,000 रुपए प्रति माह की छात्रवृत्ति दी जा रही है।

बुनियादी ढांचा : कादियां विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न गांवों में आधुनिक खेल मैदान तैयार किए जाएंगे ताकि युवाओं को अपनी प्रतिभा निखारने का मौका मिले।

सर्वांगीण विकास का संकल्प : एडवोकेट सेखवां ने कहा कि गांव सठियाली में बनने वाले इस खेल मैदान से स्थानीय और आसपास के गांवों के खिलाड़ियों को अपनी मंजिल हासिल करने में मदद मिलेगी। उन्होंने दोहराया कि वे अपने विधानसभा क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए पूरी तरह से दृढ़ संकल्पित हैं।

शमशेर सिंह ने दोदवां में 34.41 लाख की लागत से निर्मित खेल स्टेडियम का किया उद्घाटन

» प्रथम न्यूज । गुरदासपुर
22 मई (संदीप सन्नी)

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान द्वारा पंजाब भर में कई खेल स्टेडियमों के किए गए ऑनलाइन उद्घाटन की कड़ी में, विधानसभा क्षेत्र दीनानगर के गांव दोदवां में भी अत्याधुनिक खेल स्टेडियम का शुभारंभ किया गया। लगभग 34.41 लाख रुपए की लागत से तैयार इस स्टेडियम का उद्घाटन दीनानगर के हलका इंचार्ज शमशेर सिंह ने किया। इस अवसर पर भारी संख्या में %आप% पदाधिकारी, कार्यकर्ता और स्थानीय निवासी उपस्थित थे।

युवाओं को खेलों से जोड़ने की पहल : ग्रामीणों को संबोधित करते हुए शमशेर सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली आम आदमी पार्टी की सरकार पंजाब को नशा मुक्त करने के लिए प्रतिबद्ध है। युवाओं की ऊर्जा को सकारात्मक दिशा में लगाने के लिए राज्य भर में 3100 ग्रामीण खेल स्टेडियम तैयार किए जा रहे हैं।

बेहतर माहौल और सुविधाएं : शमशेर सिंह ने कहा कि हमारे युवा खेलों की ओर तभी आकर्षित होंगे, जब उन्हें बेहतर माहौल और आधुनिक सुविधाएं मिलेंगी। इसी उद्देश्य की पूर्ति के लिए सरकार बड़े स्तर पर खेल स्टेडियमों का निर्माण, जिम की स्थापना और खेल सामग्री मुहैया करवा रही है।

उपस्थित गणमान्य : इस अवसर पर सरपंच नितिन सैनी दोदवां, बी.सी. विंग के जिला प्रधान धर्मेश पाल, ब्लॉक प्रधान नंबरदार करनैल सिंह, रिटायर्ड प्रिंसिपल सुखदेव राज, सरपंच मनदीप सिंह शमशेरपुर, सरपंच गुरदीप सिंह चूहड़चक्क, सरपंच बचन लाल, ब्लॉक समिति सदस्य रूपिंदर कौर कतोवाल, अनु बाला, वतन सिंह चक्क, सरपंच वरिंदर सिंह और ब्लॉक प्रधान अनूप ठाकुर सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

टीबीएस इंटरनेशनल स्कूल में छात्र परिषद की स्थापना का समारोह आयोजित किया गया

जीरा, 22 मई (अंग्रेज बराड़) – फिरोजपुर–मोगा रोड पर स्थित टीबीएस इंटरनेशनल स्कूल फिरोजशाह (फिरोजपुर), जो अध्यक्ष डॉ. हीरालाल शर्मा, उपाध्यक्ष विभोर शर्मा, प्रबंध निदेशक दीपाली शर्मा और महासचिव शिवम शर्मा के मार्गदर्शन में संचालित है, में विद्यार्थी परिषद स्थापना समारोह का आयोजन किया गया। विद्यालय ने विद्यार्थी परिषद के माध्यम से नेतृत्व को बढ़ावा देने की अपनी परंपरा को जारी रखा।

समारोह के दौरान, गुरनूर सिंह और शगुन प्रीत कौर को मतदान के माध्यम से विद्यालय कप्तान के रूप में चुना गया, साथ ही कई अन्य पदों के लिए भी नियुक्ति हुई। कार्यक्रम का शुभारंभ देवी सरस्वती की पूजा से हुआ। विद्यालय की प्रधानाध्यापिका रेखा पासी ने सभी विद्यार्थी परिषद सदस्यों को पद की शपथ दिलाई। मुख्य अतिथियों, विद्यालय प्रबंधन समिति के सदस्यों, प्रबंध निदेशक दीपाली शर्मा और महासचिव शिवम शर्मा ने इन विद्यार्थियों को सम्मानित किया।

विद्यालय की प्रधानाध्यापिका रेखा पासी ने कहा कि यह समारोह विकास, कर्तव्य और मार्गदर्शन को प्रेरित करने के लिए आयोजित किया गया था। उन्होंने कहा कि जब युवा मन को नेतृत्व की शक्ति सौंपी जाती है, तो इससे उनमें सीखने, जिम्मेदारी और ईमानदारी की भावना विकसित करने में मदद मिलती है। यह दिन विद्यालय के प्रति गर्व और प्रतिबद्धता की भावना का प्रतीक है।

प्रथम न्यूज
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
हिमाचल न्यूज
Website : www.prathamnews.in

संक्षिप्त न्यूज

जोगिंद्रनगर युवक मौत मामला : फोरैंसिक रिपोर्ट के बाद 2 युवकों पर एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज

ट्रामाडोल और नशीली दवाइयों के सेवन से युवक की मौत, पुलिस ने दो साथियों पर कसा शिकंजा

मंडी (नरेंद्र भारती)– विधानसभा क्षेत्र जोगिंद्रनगर के अंतर्गत पुलिस चौकी घट्टा और थाना जोगिंद्रनगर के तहत अप्रैल माह में हुई युवक की संदिग्ध मौत के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दो युवकों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। फोरैंसिक लैब से आई रिपोर्ट में दोनों युवकों द्वारा नशीली दवाइयों के सेवन की पुष्टि होने के बाद यह कार्रवाई अमल में लाई गई।

जानकारी के अनुसार 6 अप्रैल, 2026 को मोहनघाटी क्षेत्र के बडेहड़ गांव निवासी हीरालाल पुत्र बांकेलाल ने अपने साथियों विशाल पुत्र नवीन और दीपक पुत्र स्वर्गीय जानकी दास के साथ ट्रामाडोल तथा डेक्स्ट्रोमिथॉर्फन जैसी नशीली दवाइयों का सेवन किया था। बताया जा रहा है कि नशे की अत्यधिक मात्रा लेने के कारण हीरालाल की मौके पर ही मौत हो गई थी। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई थी।

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए विशाल और दीपक का मेडिकल परीक्षण करवाया था तथा जांच के लिए सैंपल फोरैंसिक लैब भेजे गए थे। अब लैब से प्राप्त रिपोर्ट में पुष्टि हुई है कि दोनों युवकों ने नशीली दवाइयों का सेवन किया हुआ था।

फोरैंसिक रिपोर्ट और प्रारंभिक जांच के आधार पर पुलिस ने विशाल पुत्र नवीन और दीपक पुत्र स्वर्गीय जानकी दास के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है। साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि उक्त नशीली दवाइयां कहां से लाई गई थीं और इस पूरे नेटवर्क में अन्य लोग भी शामिल हैं या नहीं। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले से जुड़े हर पहलू की गंभीरता से जांच की जा रही है और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

कुमारसेन के बड़ागांव में मकान में भीषण आग, सिलेंडर ब्लास्ट से दहशत

शिमला (एएम नाथ)– शिमला जिले के कुमारसेन क्षेत्र के बड़ागांव में शुक्रवार को एक मकान में अचानक भीषण आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि देखते ही देखते मकान की ऊपरी मंजिल जलकर राख हो गई। आग से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। इस दौरान घर में रखा गैस सिलेंडर भी ब्लास्ट हो गया, जिससे आसपास के लोग सहम गए।

घटना की सूचना मिलते ही अग्निशमन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाने के प्रयास शुरू किए। स्थानीय लोग भी राहत कार्य में जुटे रहे। बताया जा रहा है कि आग की लपटें दूर तक दिखाई दे रही थीं।

फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है। अग्निशमन विभाग और प्रशासन की टीमें मौके पर मौजूद हैं और स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। राहत की बात यह रही कि अभी तक किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

सर्विकल कैंसर से बचाव के लिए बेटियों का टीकाकरण जरूरी : राहुल कुमार

बिलासपुर (जितेंद्र गौतम)– राहुल कुमार ने बताया कि जिला बिलासपुर में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग द्वारा 24 और 31 मई को विशेष एचपीवी (ह्यूमन पैपिलोमा वायरस) टीकाकरण कैंप लगाए जाएंगे। इन कैंपों में 14 वर्ष पूर्ण कर चुकी तथा 15 वर्ष से कम आयु की बालिकाओं को सर्विकल कैंसर से बचाव हेतु नि:शुल्क टीका लगाया जाएगा।

उपायुक्त ने कहा कि भारत में सर्विकल कैंसर महिलाओं में दूसरा सबसे आम कैंसर है और हर वर्ष बड़ी संख्या में महिलाओं की इससे मृत्यु होती है। उन्होंने अभिभावकों से अपील करते हुए कहा कि बेटियों को इस गंभीर बीमारी से बचाने के लिए समय पर एचपीवी टीकाकरण अवश्य करवाएं।

उन्होंने बताया कि जिले में 2735 पात्र बालिकाओं में से अब तक 1020 बालिकाओं का टीकाकरण किया जा चुका है, जो लगभग 37 प्रतिशत कवरेज है। यह प्रदर्शन प्रदेश के औसत से बेहतर है। टीकाकरण के सभी रिकॉर्ड यू-विन डिजिटल पोर्टल पर दर्ज किए जाएंगे तथा अभिभावक ऑनलाइन पंजीकरण भी कर सकते हैं।

राहुल कुमार ने बताया कि जिले के 30 चिन्हित सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में प्रशिक्षित स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा यह सुविधा नि:शुल्क उपलब्ध करवाई जा रही है। उन्होंने कहा कि यह टीकाकरण पूरी तरह स्वैच्छिक है, लेकिन इसके लिए अभिभावकों की सहमति आवश्यक होगी।

पंचायत चुनावों के दौरान झूठी घोषणाएं कर रही सुक्खू सरकार : जय राम ठाकुर

» प्रथम न्यूज । शिमला
22 मई (एएम नाथ)

हिमाचल प्रदेश में पंचायत चुनावों के बीच राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू और राज्य सरकार पर आदर्श चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन का आरोप लगाते हुए चुनाव आयोग से सख्त कार्रवाई की मांग की है।

जयराम ठाकुर ने कहा कि सुक्खू सरकार अपने असंवैधानिक कार्यों से बाज नहीं आ रही है और पंचायत चुनावों के दौरान बड़ी-बड़ी तथा झूठी घोषणाएं कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि आचार संहिता लागू होने के बावजूद सरकार ने कैबिनेट बैठक आयोजित की और उसके एजेंडे को जानबूझकर मीडिया में लीक किया गया, ताकि चुनावी लाभ लिया जा सके। उन्होंने कहा कि सरकार की मंशा साफ तौर पर वोटरों को प्रभावित करने की है। जयराम ठाकुर ने मुख्यमंत्री पर निशाना साधते हुए कहा कि पिछले तीन वर्षों में सरकार द्वारा की गई दर्जनों बजट घोषणाएं आज तक धरातल पर नहीं उतर पाई हैं और केवल कागजों तक सीमित हैं। उन्होंने दावा किया कि प्रदेश की जनता सरकार की वास्तविकता को भली-भांति समझ चुकी है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री सुक्खू प्रतिदिन झूठे दावे कर रहे हैं और पूरी निडरता तथा बेशर्मी के साथ जनता को भ्रमित करने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनावी माहौल में भी सरकार लगातार झूठी घोषणाएं कर रही है।

जयराम ठाकुर ने चुनाव आयोग से मांग की कि मुख्यमंत्री द्वारा किए गए कथित आदर्श आचार संहिता उल्लंघन का तत्काल संज्ञान लिया जाए और संबंधित लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

सिरमौर की इटरनल यूनिवर्सिटी में छात्राओं के टॉयलेट में वीडियो बनाते सफाईकर्मी गिरफ्तार, कहां-कहां भेजा? जांच शुरू

» प्रथम न्यूज । नाहन
22 मई (ब्यूरो)

जिला सिरमौर के पच्छाद उपमंडल की इटरनल यूनिवर्सिटी बड़ू साहिब में छात्राओं के कैंपस टॉयलेट में सफाई कर्मचारी द्वारा वीडियो बनाने का मामला सामने आया है। पच्छाद पुलिस ने झारखंड के आरोपी सफाई कर्मचारी को गिरफ्तार कर लिया है।

आरोपी छेदन साहू पुत्र लाल साहू निवासी माल्गो लापुग, पुलिस थाना लापुग जिला रांची झारखंड पिछले कुछ महीनों से यूनिवर्सिटी परिसर में सफाई कर्मचारी के रूप में काम कर रहा था।

यूनिवर्सिटी कैंपस के शौचालय में सफाई कर्मी द्वारा बनाए गए वीडियो से विश्वविद्यालय में छात्राओं की सुरक्षा और निजता को लेकर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। कुछ माह पहले भी विश्वविद्यालय की मेस में छात्राओं को कीड़े वाले भोजन परोसने के मामले ने काफी तूल पकड़ा था।

वहीं, कैंपस के शौचालय से छात्राओं के वीडियो बनाने की भनक लगते ही यूनिवर्सिटी परिसर में हड़कंप मच गया और छात्राओं ने मामले को लेकर विरोध प्रदर्शन किया।

कहां-कहां भेजे वीडियो : हालांकि, अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि वीडियो किस परिस्थिति में बनाए गए और उनका दुरुपयोग हुआ या नहीं, लेकिन छात्राओं के बीच भारी चिंता का माहौल बना हुआ है। बताया जा रहा है कि सफाई कर्मी द्वारा पकड़े जाने पर मोबाइल से वीडियो डिलीट कर दिए गए थे।

अर्की अस्पताल में पथरी ऑपरेशन के बाद महिला की मौत

निष्पक्ष जांच की मांग को लेकर अस्पताल में प्रदर्शन

» प्रथम न्यूज । सोलन
22 मई (एएम नाथ)

सोलन जिले के अर्की अस्पताल में पथरी के ऑपरेशन के दौरान एक महिला की मौत के बाद अस्पताल परिसर में भारी हंगामा खड़ा हो गया। मृतक महिला अर्की क्षेत्र की भूमती पंचायत के चुनार गांव की निवासी बताई जा रही है। घटना के बाद परिजनों और स्थानीय लोगों ने अस्पताल प्रबंधन तथा डॉक्टरों पर गंभीर लापरवाही के आरोप लगाते हुए अस्पताल में प्रदर्शन किया और मामले की निष्पक्ष जांच की मांग उठाई।

परिजनों के अनुसार महिला को पथरी के ऑपरेशन के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया था। आरोप है कि ऑपरेशन के बाद महिला की तबीयत अचानक बिगड़ने लगी, लेकिन समय रहते उचित उपचार नहीं दिया गया। मृतका के बेटे ने बताया कि दोपहर करीब साढ़े 12 बजे अस्पताल में डॉक्टर और नर्सें घबराई हुई नजर आ रही थीं और इधर-उधर भागदौड़ कर रही थीं। कुछ देर बाद अस्पताल प्रशासन ने महिला को शिमला रेफर करने की बात कही।

परिवार का आरोप है कि अस्पताल स्टाफ ने उन्हें महिला के पास जाने या उसे छूने तक नहीं दिया और जल्दबाजी में खुद ही एंबुलेंस में शिफ्ट कर दिया। परिजनों ने बताया कि जब वे महिला को लेकर शिमला पहुंचे तो वहां मौजूद डॉक्टरों ने उन्हें जानकारी दी कि उनकी मां की मौत करीब दो से तीन घंटे पहले ही हो चुकी थी।

महिला के भाई ने आरोप लगाया कि एंबुलेंस में मरीज के साथ कोई डॉक्टर मौजूद नहीं था। उन्होंने कहा कि रास्ते में ही महिला का शरीर नीला पड़ चुका था और उसके हाथ-पांव ठंडे हो गए थे, जिससे उन्हें पहले ही अनहोनी की आशंका हो गई थी। घटना के बाद ग्रामीणों और स्थानीय लोगों में भारी रोष है। गांव के पूर्व प्रधान ने कहा कि महिला पूरी तरह स्वस्थ अवस्था में पैदल अस्पताल गई थी, लेकिन कथित लापरवाही के कारण उसकी जान चली गई। लोगों ने मामले की उच्च स्तरीय जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

कैबिनेट बैठक कर सरकार ने तोड़ी आचार संहिता, चुनाव आयोग करे कार्रवाई : जयराम ठाकुर

पंचायत चुनाव से पहले लोकलुभावन घोषणाओं पर भड़के जयराम ठाकुर

सुक्खू सरकार पर नेता प्रतिपक्ष का हमला, बोले नियमों को ताक पर रखकर लिए फैसले

» प्रथम न्यूज । शिमला
22 मई (एएम नाथ)

हिमाचल प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने शिमला में आयोजित राज्य सरकार की कैबिनेट बैठक को लेकर गंभीर सवाल खड़े करते हुए चुनाव आयोग से तत्काल और कड़ी कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने आरोप लगाया कि पंचायत चुनाव से ठीक पहले सरकार ने वोटरों को प्रभावित करने के उद्देश्य से खुलेआम आदर्श चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन किया है।

जयराम ठाकुर ने कहा कि पंचायत चुनाव में अब केवल कुछ ही दिन शेष हैं, लेकिन इसके बावजूद मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के नेतृत्व वाली सरकार ने सारी मर्यादाएं लांघ दी हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने जानबूझकर यह दिखाने की कोशिश की कि कैबिनेट बैठक की मीडिया ब्रीफिंग नहीं होगी, जबकि भाजपा के पास इस बात की पुख्ता जानकारी है कि कैबिनेट के फैसलों को खुद सरकार की ओर से मीडिया में लीक किया गया और उन्हें प्रमुखता से प्रसारित करवाने का दबाव भी बनाया गया।

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि यह पूरी तरह असंवैधानिक और लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार चुनावी लाभ लेने के लिए लोकलुभावन घोषणाओं का सहारा ले रही है। जयराम ठाकुर ने मुख्यमंत्री पर निशाना साधते हुए कहा कि पिछले तीन वर्षों में सरकार द्वारा की गई कई बजट घोषणाएं आज भी केवल कागजों तक सीमित हैं और प्रदेश की जनता सरकार की वास्तविकता को भली-भांति समझ चुकी है।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री प्रतिदिन झूठे दावे कर रहे हैं और सरकार प्रशासनिक नियमों एवं लोकतांत्रिक व्यवस्था को नजरअंदाज कर रही है। भाजपा अब इस मुद्दे पर चुप नहीं बैठेगी और चुनाव आयोग से इस पूरे मामले का गंभीरता से संज्ञान लेने की मांग करेगी।

जयराम ठाकुर ने कहा कि चुनाव आयोग को इस दुर्भाग्यपूर्ण कदम और इसके पीछे जिम्मेदार लोगों के खिलाफ तुरंत सख्त दंडात्मक कार्रवाई करनी चाहिए ताकि चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा सुनिश्चित हो सके।

शहीद सूबेदार बलदेव कुमार शर्मा को दी श्रद्धांजलि, वीर नारी का किया गया सम्मान

उपायुक्त राहुल कुमार ने शहीद को अर्पित किये श्रद्धासुमन, स्मृति में रखा दो मिनट का मौन

» प्रथम न्यूज । बिलासपुर
22 मई (जितेंद्र गौतम)

बिलासपुर के चंगर सेक्टर स्थित शहीद स्मारक पर आज श्रद्धांजलि समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में देश की रक्षा करते हुए मणिपुर में वीरगति को प्राप्त हुए शहीद सूबेदार बलदेव कुमार शर्मा (जनरल ड्यूटी), 29 असम राइफल्स को उपायुक्त राहुल कुमार ने पुष्पचक्र अर्पित कर श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस दौरान शहीद सूबेदार बलदेव कुमार शर्मा की धर्मपत्नी वीर नारी अरुणा देवी एवं उनके परिवार को स्मृति चिन्ह, शॉल तथा तिरंगा बैज भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में शहीद की स्मृति में दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी गई। इस अवसर पर उनके पुत्र विवेक कुमार, पुत्रवधू रीमा शर्मा तथा पौत्र विवान शर्मा भी उपस्थित रहे।

यह आयोजन हिमाचल प्रदेश वेटरन सैनिक कल्याण एवं विकास समिति तथा एक्स सर्विसमैन सैनिक लीग बिलासपुर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया। समारोह में जिला सैनिक कल्याण विभाग के अधिकारियों ने भी शहीद को श्रद्धांजलि अर्पित की।

जिला बिलासपुर के गांव निघ्यार, (मरुडा) डाकघर तलाई तहसील झंडूता, जिला बिलासपुर निवासी शहीद सूबेदार बलदेव कुमार शर्मा ने 19 जून 1980 को असम राइफल्स में भर्ती होकर देश सेवा का संकल्प लिया था। 22 मई 2016 को मणिपुर के चंदेल जिले के जौपी क्षेत्र में वह कमांडेंट की क्विक रिएक्शन टीम का हिस्सा थे। भूस्खलन प्रभावित क्षेत्र का निरीक्षण कर लौटते समय शिव मंदिर के समीप उग्रवादियों ने उनकी टीम पर घात लगाकर हमला कर दिया। इस हमले में उन्होंने अदम्य साहस और वीरता का परिचय देते हुए मातृभूमि की रक्षा करते हुए सर्वोच्च बलिदान दिया।

इस अवसर पर हिमाचल प्रदेश वेटरन सैनिक कल्याण एवं विकास समिति के प्रदेशाध्यक्ष कैप्टन बालक राम शर्मा, डीएसपी मनीष चैधरी सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति एवं पूर्व सैनिक उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में इकाई अध्यक्ष सूबेदार मेजर संजीव कुमार, सूबेदार मेजर कुलवंत पटियाल, सचिव सूबेदार सागर सिंह चंदेल, उपाध्यक्ष सूबेदार वचन सिंह चंदेल, सूबेदार रणजीत सिंह ठाकुर, सूबेदार सुभाष चंदेल, सूबेदार सरबजीत सिंह ठाकुर, कैप्टन जय सिंह ठाकुर, हवलदार सलिंद्र कुमार, सूबेदार मेजर राम कृष्ण, वीर नारी अरुणा देवी, वीर नारी मीरा देवी, वीर नारी निशा देवी सहित जिला के अनेक पूर्व सैनिकों ने भाग लिया

विक्रमादित्य सिंह ने कर्नाटक के मुख्यमंत्री एवं उप-मुख्यमंत्री से भेंट की

शिमला (बी. शर्मा)– लोक निर्माण एवं शहरी विकास मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने आज बेंगलुरु में कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया से भेंट की। विक्रमादित्य सिंह ने सिद्धारमैया के साथ कर्नाटक एवं हिमाचल प्रदेश में क्रियान्वित की जा रही विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाओं एवं विकासात्मक गतिविधियों पर विस्तृत चर्चा की। बैठक के दौरान दोनों प्रदेशों में लोक निर्माण विभाग एवं शहरी विकास विभाग द्वारा कार्यान्वित की जा रही विभिन्न विकास परियोजनाओं एवं विकास के आधुनिक मॉडल्स पर विशेष रूप से चर्चा की गई।

विक्रमादित्य सिंह ने कर्नाटक में सड़क निर्माण और इन्हें पक्का करने की नवीनतम तकनीक के संदर्भ में जानकारी ली ताकि इसे हिमाचल की सड़कों को और अधिक बेहतर बनाने में उपयोग में लाया जा सके।

लोक निर्माण मंत्री ने कहा कि शीघ्र ही प्रदेश के लोक निर्माण विभाग एवं शहरी विकास विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को कर्नाटक में शहरी विकास एवं अधोसंरचना निर्माण में अपनाए जा रहे सफल मॉडल्स के अध्ययन के लिए भेजा जाएगा।

इस अवसर पर विक्रमादित्य सिंह ने सिद्धारमैया को हिमाचल आने का न्योता भी दिया। कर्नाटक के मुख्यमंत्री ने कहा कि हिमाचल और कर्नाटक सरकार द्वारा चलाई जा रही जन कल्याणकारी नीतियों एवं विकास कार्यों का दोनों सरकारें गहन अध्ययन करेंगी ताकि इन प्रदेशों की सफल नीतियों एवं योजनाओं को दोनों प्रदेशों में लागू कर आमजन को अधिकाधिक लाभान्वित किया जा सके। इसके उपरान्त, विक्रमादित्य सिंह ने कर्नाटक के उप-मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार से भी भेंट की और प्रदेश हित के विभिन्न मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की।

राज्यपाल को लोकायुक्त ने वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया

शिमला (बी. शर्मा)–राज्यपाल कविन्द्र गुप्ता से आज लोकभवन में हिमाचल प्रदेश के लोकायुक्त न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) चंद्र भूषण बरोवालिया ने शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) चंद्र भूषण बरोवालिया ने राज्यपाल को लोकायुक्त कार्यालय का वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया तथा संस्था की कार्यप्रणाली एवं जनहित से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की। कविन्द्र गुप्ता ने लोकतांत्रिक व्यवस्था में लोकायुक्त संस्था की भूमिका को अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि पारदर्शिता, जवाबदेही तथा सुशासन को सुदृढ़ बनाने में लोकायुक्त की भूमिका अहम है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह संस्था भविष्य में भी निष्पक्षता, पारदर्शिता एवं जनविश्वास के साथ अपने दायित्वों का प्रभावी निर्वहन करती रहेगी। लोकायुक्त ने राज्यपाल का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह संस्था आमजन की शिकायतों के त्वरित, निष्पक्ष एवं प्रभावी निस्तारण के लिए पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध है।

राज्यपाल ने 'शौर्यबोध' काव्य-संग्रह का किया विमोचन

शिमला (बी. शर्मा) राज्यपाल कविन्द्र गुप्ता से आज लोकभवन में साहित्यकार संजीव वर्मा द्वारा रचित काव्य-संग्रह 'शौर्यबोध' का विमोचन किया। कविन्द्र गुप्ता ने संजीव वर्मा को पुस्तक प्रकाशन के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि साहित्य समाज का दर्पण होता है तथा राष्ट्र भावना और सामाजिक चेतना को सशक्त बनाने में साहित्य की महत्त्वपूर्ण भूमिका होती है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि यह काव्य-संग्रह युवाओं में देशभक्ति एवं सकारात्मक चिंतन को प्रोत्साहित करेगा। 'शौर्यबोध' काव्य-संग्रह में सैनिकों के साहस, राष्ट्र प्रेम, सामाजिक संवेदनाओं तथा आमजन से जुड़े विषयों को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया है। संग्रह की कविताएं समाज को संवेदनशील सोच एवं आत्ममंथन के लिए प्रेरित करती हैं।

प्रथम न्यूज
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
हरियाणा न्यूज
Website : www.prathamnews.in

संक्षिप्त न्यूज

पंचायत चुनावों के दौरान जिला में चरणबद्ध तरीके से शराब बिक्री पर रहेगा प्रतिबंध

उपायुक्त एवं ज़िला निर्वाचन अधिकारी मुकेश रेपसवाल ने जारी की अधिसूचना

चंबा (एएम नाथ)- पंचायती राज संस्थाओं के आम चुनाव-2026 के दृष्टिगत उपायुक्त एवं ज़िला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) मुकेश रेपसवाल ने जिला चंबा की समस्त ग्राम पंचायतों के मतदान क्षेत्रों में मतदान समाप्ति के लिए निर्धारित समय से पूर्व 48 घंटे की अवधि के दौरान किसी भी होटल, कैटरिंग हाउस, शराबखाने, दुकान अथवा अन्य किसी सार्वजनिक या निजी स्थान पर शराब (स्प्रिटयुक्त, किण्वित अथवा इस प्रकार के मादक पदार्थ) की बिक्री, वितरण अथवा परोसने पर प्रतिबंध लगाने संबंधी अधिसूचना जारी की है। यह प्रतिबंध राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देशों तथा हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम-1994 की धारा 158 (आर) के तहत लागू रहेगा।

जारी अधिसूचना में कहा गया है कि प्रथम चरण के चुनावों के लिए 24 मई 2026 को सायं 3 बजे से लेकर 26 मई 2026 को मतगणना पूर्ण होने तक शराब बिक्री पर प्रतिबंध रहेगा। इसी प्रकार द्वितीय चरण के लिए 26 मई 2026 को सायं 3 बजे से 28 मई 2026 को मतगणना पूर्ण होने तक तथा तृतीय चरण के लिए 28 मई 2026 को सायं 3 बजे से 30 मई 2026 को मतगणना पूर्ण होने तक यह प्रतिबंध प्रभावी रहेगा। साथ में यह भी कहा गया है कि पंचायत समिति एवं ज़िला परिषद सदस्यों की मतगणना के दृष्टिगत 31 मई 2026 को संबंधित ब्लॉक मुख्यालयों एवं जिला मुख्यालय, जहां मतगणना केंद्र स्थापित किए गए हैं, मतगणना प्रक्रिया पूर्ण होने तक शराब बिक्री एवं वितरण पर प्रतिबंध लागू रहेगा।

अधिसूचना में यह भी स्पष्ट किया गया है कि उल्लंघन करने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध नियम अनुसार करवाई अमल में लाई जाएगी। दोषी पाए जाने पर छह माह तक के कारावास अथवा जुर्माने या दोनों का प्रावधान है।

डीएवी पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों ने शैक्षणिक भ्रमण में विज्ञान और इतिहास को जाना

इस्माईलाबाद (सुनील कोमल) अनिल कुमार डीएवी पब्लिक स्कूल, इस्माईलाबाद द्वारा नर्सरी से पांचवीं कक्षा तक के विद्यार्थियों के लिए शैक्षणिक भ्रमण का आयोजन किया गया। इस दौरान विद्यार्थियों ने कुरुक्षेत्र स्थित पैनोरमा एंड साइंस सेंटर तथा महाभारत केंद्र का भ्रमण कर विज्ञान, इतिहास और संस्कृति से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त कीं। भ्रमण के दौरान बच्चों ने पैनोरमा एंड साइंस सेंटर में विज्ञान से संबंधित विभिन्न मॉडल, उपकरण और प्रदर्शनों को उत्सुकता के साथ देखा। विद्यार्थियों ने विज्ञान के प्रयोगों एवं तकनीकी जानकारियों को समझते हुए कई नई बातें सीखीं। वहीं महाभारत केंद्र में विद्यार्थियों ने महाभारत काल से जुड़ी ऐतिहासिक एवं धार्मिक झांकियों का अवलोकन कर भारतीय संस्कृति और इतिहास को करीब से जाना।

यात्रा के दौरान विद्यार्थियों में विशेष उत्साह देखने को मिला। बच्चों ने शैक्षणिक जानकारी के साथ-साथ मनोरंजन का भी भरपूर आनंद उठाया। विद्यालय के अध्यापकों ने पूरे भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करते हुए अनुशासन एवं सुरक्षा का विशेष ध्यान रखा। विद्यालय के प्रधानाचार्य संजय शर्मा ने कहा कि शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि विद्यार्थियों को व्यावहारिक ज्ञान और वास्तविक अनुभवों से जोड़ना भी आवश्यक है। उन्होंने कहा कि शैक्षणिक भ्रमण बच्चों के मानसिक, बौद्धिक एवं सामाजिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ऐसे भ्रमणों से विद्यार्थियों में नई चीजों को जानने, समझने और सीखने की रुचि बढ़ती है तथा उनका आत्मविश्वास भी मजबूत होता है। प्रधानाचार्य संजय शर्मा ने कहा कि विद्यालय का उद्देश्य विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ-साथ नैतिक मूल्यों, अनुशासन और व्यवहारिक ज्ञान से भी जोड़ना है। उन्होंने बताया कि भविष्य में भी विद्यालय द्वारा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए इस प्रकार की गतिविधियों एवं शैक्षणिक भ्रमणों का आयोजन किया जाता रहेगा।

अवैध देसी पिस्तौल सप्लाई करने के मामले में स्पेशल डिटेक्टिव युनिट द्वारा आरोपी काबू

कैथल, 22 मई (कृष्ण गर्ग)- अवैध असला-अमुनेशन सप्लाई करने वालो पर शिकंजा कसते हुए स्पेशल डिटेक्टिव युनिट द्वारा एक असला सप्लायर को नियमानुसार गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि 22 अप्रैल को स्पेशल डिटेक्टिव यूनिट के एएसआई संदीप कुमार की टीम द्वारा पूंडरी से पैदल पैदल नहर पुल फरल की तरफ आए आरोपी पुण्डरी निवासी भविष्य उर्फ मान को काबू किया गया था। जिसके कब्जे से एक अवैध देशी पिस्तौल बरामद हुई थी। थाना पूंडरी में दर्ज मामले में आरोपी भविष्य को गिरफ्तार कर लिया गया था। आगामी जांच स्पेशल डिटेक्टिव युनिट के एएसआई शमशेर द्वारा करते हुए आरोपी रामनगर जिला सोनीपत निवासी तरुन को नियमानुसार गिरफ्तार कर लिया गया।

आरोपी भविष्य उर्फ मान से पूछताछ उपरांत खुलासा हुआ था कि उसको यह असला अमुनेशन तरुन उपरोक्त द्वारा उपलब्ध करवाया गया था। आरोपी को अदालत में पेश कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने जापानी निवेशकों को हरियाणा में निवेश का दिया न्योता

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़
22 मई (मुकेश डोलिया)

हरियाणा के मुख्यमंत्री Nayab Singh Saini ने नई दिल्ली में आयोजित इंडो-जापान कॉन्क्लेव में जापानी निवेशकों को हरियाणा में निवेश और औद्योगिक साझेदारी के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने कहा कि भारत और जापान के संबंध वर्षों पुराने विश्वास, अनुशासन, सौहार्द और उत्कृष्टता के साझा मूल्यों पर आधारित हैं। दोनों देशों की साझेदारी भविष्य के औद्योगिक विकास और मजबूत सप्लाई चेन निर्माण में अहम भूमिका निभाएगी।

कॉन्क्लेव को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा आज भारत में जापानी उद्योगों का सबसे बड़ा केंद्र बन चुका है। प्रदेश में लगभग 394 जापानी उद्योग और 600 से अधिक जापानी व्यावसायिक प्रतिष्ठान कार्यरत हैं। उन्होंने कहा कि यह साझेदारी केवल व्यापारिक संबंधों तक सीमित नहीं है, बल्कि हार्ट टू हार्ट यानी दिलों से जुड़े रिश्तों पर आधारित है। मुख्यमंत्री ने पिछले वर्ष अपनी जापान यात्रा का उल्लेख करते हुए बताया कि उस दौरान जापान की नौ प्रतिष्ठित कंपनियों ने हरियाणा में लगभग 5 हजार करोड़ रुपये निवेश करने की इच्छा जताई थी। उन्होंने कहा कि यही विश्वास हरियाणा को जापानी कंपनियों के लिए होम अवे फ्रॉम होम बना रहा है।

उन्होंने कहा कि जापानी कंपनियों ने हरियाणा को इसलिए चुना क्योंकि राज्य ने उनकी कार्य संस्कृति, गुणवत्ता और अनुशासन को समझते हुए उसी अनुरूप औद्योगिक वातावरण तैयार किया है। गुरुग्राम, मानेसर, सोनीपत, बावल और झज्जर जैसे क्षेत्रों में मजबूत औद्योगिक क्लस्टर विकसित किए गए हैं, जहां भारत-जापान औद्योगिक सहयोग स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा की सबसे बड़ी ताकत उसकी उत्कृष्ट कनेक्टिविटी है। प्रदेश का लगभग दो-तिहाई हिस्सा एनसीआर में आता है और हर जिला राष्ट्रीय राजमार्गों से जुड़ा हुआ है। दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे, डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर, रैपिड रेल, मेट्रो कनेक्टिविटी और एयरपोर्ट नेटवर्क हरियाणा को वैश्विक निवेश के लिए आदर्श राज्य बनाते हैं।

उन्होंने बताया कि प्रदेश में 64 औद्योगिक संपदाएं, इलेक्ट्रॉनिक क्लस्टर, ईवी इकोसिस्टम, लॉजिस्टिक हब और फूड पार्क विकसित किए जा रहे हैं। साथ ही राज्य सरकार 10 नई आईएमटी स्थापित करने की दिशा में काम कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि झज्जर में विकसित हो रही जापानी इंडस्ट्रियल टाउनशिप और नारायणगढ़ में प्रस्तावित जापानी क्लस्टर भारत-जापान औद्योगिक साझेदारी को नई मजबूती देंगे।

मुख्यमंत्री ने जापानी निवेशकों को ऑटोमोबाइल, लॉजिस्टिक्स, इलेक्ट्रिक वाहन, सेमीकंडक्टर, रोबोटिक्स, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और हरित ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में निवेश के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने कहा कि हरियाणा देश में लगभग 50 प्रतिशत कारों और 33 प्रतिशत दोपहिया वाहनों का निर्माण करता है, इसलिए ऑटोमोबाइल क्षेत्र में निवेश की व्यापक संभावनाएं मौजूद हैं।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' के साथ-साथ 'स्पीड ऑफ डूइंग बिजनेस' पर भी विशेष ध्यान दिया है। प्रदेश में 140 से अधिक सेवाएं ऑनलाइन उपलब्ध कराई गई हैं और परियोजनाओं की मंजूरी का समय 24 दिनों से घटाकर 12 दिन कर दिया गया है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि जापानी निवेशकों की सुविधा के लिए हरियाणा सरकार ने 'सकुरा डेस्क' स्थापित किया है, जो जापानी कंपनियों को निवेश से लेकर विस्तार योजनाओं तक हर स्तर पर सहायता और मार्गदर्शन प्रदान करेगा। उन्होंने विश्वास जताया कि भारत-जापान साझेदारी आने वाले समय में नई औद्योगिक क्रांति की मजबूत आधारशिला साबित होगी।

'कॉकरोच जनता पार्टी' को लेकर हरियाणा की राजनीति गरमाई

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़
22 मई (ब्यूरो)

इंटरनेट मीडिया पर तेजी से फैल रही कॉकरोच जनता पार्टी को लेकर हरियाणा की राजनीति में हलचल बढ़ गया है। भारतीय किसान यूनियन के अध्यक्ष गुरनाम सिंह चढूनी ने दावा किया कि उन्हें कॉकरोच जनता पार्टी का राष्ट्रीय संयोजक बना दिया गया है।

इंडियन नेशनल लोकदल के रानियां से विधायक अर्जुन सिंह चौटाला ने भी स्वयं को कॉकरोच जनता पार्टी से जोड़ लिया। अर्जुन चौटाला ने कहा कि वे कॉकरोच जनता पार्टी के पहले विधायक हैं और युवाओं की हर तरह की समस्याएं उठाने के लिए तत्पर हैं। भाजपा ने इनेलो व भाकियू की इस मानसिकता पर गंभीर सवाल उठाए हैं। इनेलो विधायक अर्जुन चौटाला ने राज्य और देश के युवाओं से कहा कि यदि उन्हें हरियाणा सरकार से कोई सवाल पूछना है तो उन्हें मेल भेज दी जाए। विधायक को हर माह राज्य सरकार से कम से कम तीन विशेष सवाल पूछने का अधिकार है, जो कि विधानसभा सत्र में पूछे जाने वाले सवालों से अलग होते हैं।

उन्होंने अपनी ई-मेल आइडी काकरोच एमएलए एट दी रेट जी-मेल डाट काम भी जारी की। अर्जुन चौटाला ने कहा कि मैं उसी बेरोजगार, आलसी और काकरोच श्रेणी से आता हूं, जिसका आज पूरे देश और दुनिया में इंटरनेट मीडिया पर जिक्र हो रहा है।

42 लाख युवाओं ने राष्ट्रीय संयोजक बनाने की दी स्वीकृति

भारतीय किसान यूनियन के अध्यक्ष गुरनाम सिंह चढूनी ने शुक्रवार देर शाम दावा किया कि काकरोच जनता पार्टी ने उन्हें राष्ट्रीय संयोजक नियुक्त कर दिया है। चढूनी ने कहा कि काकरोज जनता पार्टी के समर्थन में मुहिम चलाने वाले युवाओं ने उन्हें राष्ट्रीय संयोजक बनाने की जानकारी दी है।

इसके लिए एक्स पर एक सर्वे कराया गया था, जिसमें गुरनाम चढूनी को 42 लाख युवाओं ने राष्ट्रीय संयोजक बनाने की स्वीकृति दी है। गुरनाम चढूनी से जब यह पूछा गया कि यह सर्वे किसने, कब और कितने लोगों के बीच कराया तथा राष्ट्रीय संयोजक के लिए कितने दावेदार थे तो उन्होंने कहा कि मुझे इस बारे में कोई जानकारी नहीं है। मुझे सिर्फ इतना बताया गया कि आप राष्ट्रीय संयोजक के रूप में पहली पसंद बनकर सामने आए हैं। यह सर्वे कराने वाले कौन लोग हैं, इस बारे में भी चढूनी कोई ठोस जानकारी नहीं दे पाए। उन्होंने कहा कि जल्दी ही काकरोच जनता पार्टी की आगे की गतिविधियों की जानकारी साझा की जाएगी।

मनीमाजरा में बकरीद के लिए लगी बकरों की स्पेशल मंडी

राजस्थानी बकरे का खास रहा आकर्षण, राजस्थानी बकरा 80 हजार रूपए में बिका

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़
22 मई (मुकेश डोलिया)

आगामी वीरवार को बकरीद बनाई जाएगी इसे लेकर चंडीगढ़ में बकरों की मंडी लगनी शुरू हो गई है सबसे बड़ी मंडी मनी माजरा में लगी हुई है यहां लोग ट्रक और टेंपो ट्रेवल आदि में बकरा लाकर बेच रहे हैं बकरीद पर बकरों का रेट 10000 से लेकर ?60000 तक का है और लोग खरीद भी रहे हैं अच्छे वज़न और बिना किसी चोट वाले बकरे के रेट ज्यादा है मुस्लिम समुदाय के लोगों की यहां पर भीड़ लगी हुई है कई लोग दो बकरा भी एक साथ खरीद रहे हैं बकरीद से पहले इन बकरों को अच्छे से खिला-पिला कर इनका ख्याल रखा जाएगा इसके बाद उनकी कुर्बानी होगी बकरों की खरीदारी करने आए लोगों ने बताया की कुर्बानी के लिए अच्छे जाने वाले बकरे पर काफी ध्यान देना होता है इनका सींग टूटा ना हो दो दांत हो कम से कम एक साल का बकरा हो और बकरे के शरीर पर कोई चोट ना हो और तंदुरुस्त होना चाहिए इसके बाद ही इसकी कुर्बानी कबूल होती है एक मुस्लिम व्यक्ति ने बताया कि उन्होंने साडे 16000 का एक बकरा खरीदा है वही एक अन्य खरीदार ने ?60000 के दो बकरे खरीदे एक खरीदार ने साढ़े 16000 रुपए में बकरा खरीदा तो एक और मुस्लिम व्यक्ति ने 35000 का बकरा खरीद उसने बताया कि बकरे की कुर्बानी से अल्लाह खुश होता है एक महिला ने बताया कि वह अपने पति के साथ बकरा खरीदने आई है और उन्हें 40000 रुपए का बकरा पसंद आया है वह इसे ही खरीदना चाहते हैं एक मुस्लिम व्यक्ति ने बताया बकरे की कुर्बानी देकर उसे दोस्तों रिश्तेदारों को भी बांटा जाएगा जो भी हमारे घर ईद की मुबारकबाद देने आएगा चाहे वह किसी भी धर्म का हो यह उन लोगों में भी बांटा जाएगा यहां आने वाले लोग यह देखकर बकरा खरीद रहे थे कि वह खूबसूरत भी हो और उसके शरीर पर कोई चोट का निशान या चोट ना हो इस त्यौहार पर न बकरे की कुर्बानी दी जाती है इसे तीन हिस्सों में बांटा जाता है पहला भाग रिश्तेदारों दोस्तों और पड़ोसियों को दिया जाता है दूसरा हिस्सा गरीबों और जरूरतमंद और तीसरा परिवार के लिए होता है

80 हजार रुपए में बिका 90 किलो का राजस्थानी बकरा

मनीमाजरा. बकरीद के लिए मनीमाजरा में इस बार पांच हजार से अधिक बकरों को बेचा गया। इसके लिए स्पेशल मंडी लगाई गई, जिसमें लोगों ने पहुंच कर अपने मनपसंद के बकरे खरीदे। रविवार को मंडी में बकरों को खरीदने वालों की भीड़ लगी रही।

इस बकरीद पर मनीमाजरा लगाई स्पेशल मंडी में कई स्थानों से लोगों ने आकर अपने बकरों को बेचा। इस मंडी में इस बार राजस्थानी के बकरे का खास आकर्षण रहा। महबुब खान ने 90 किलो का राजस्थानी बकरा 80 हजार रूपए में खरीदा।

इसके अलावा जो भी बकरे बिके उनकी कीमत 15 हजार से उपर की ही रही। हिमाचल से लाए गए 95 किलो के बकरे की कीमत 50 हजार रूपए लगाई गई। इसी तरह बकरों की कीमत 15 हजार से 80 हजार रूपए के बीच रही।

20% वेतन वृद्धि की मांग को लेकर 31 मई को सीएम आवास संगरूर का घेराव करेंगे एड्स कंट्रोल कर्मचारी

वादा खिलाफी के विरोध में पंजाब सरकार के खिलाफ कर्मचारियों का बड़ा प्रदर्शन 31 मई को

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़
22 मई (पुनीत महाजन)

पंजाब स्टेट एड्स कंट्रोल इम्प्लॉइज वेलफेयर एसोसिएशन ने पंजाब सरकार पर वादा खिलाफी का आरोप लगाते हुए 31 मई 2026 को मुख्यमंत्री पंजाब की निजी रिहायश संगरूर के बाहर विशाल रोष प्रदर्शन करने और सरकार का पुतला फूंकने का ऐलान किया है। एसोसिएशन ने स्पष्ट किया कि यदि उनकी मांगों का जल्द समाधान नहीं किया गया तो संघर्ष को और तेज किया जाएगा।

स्वास्थ्य विभाग पंजाब के अधीन कार्यरत कर्मचारियों ने कहा कि वे लंबे समय से अपनी जायज मांगों को लेकर संघर्ष कर रहे हैं, लेकिन सरकार केवल आश्वासन दे रही है। एसोसिएशन के प्रधान जसमेल सिंह देओल ने बताया कि प्रदर्शन के दिन कर्मचारी वेरका प्लांट से एकत्र होकर मुख्यमंत्री आवास की ओर मार्च करेंगे और घेराव करेंगे। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि किसी प्रकार की अप्रिय स्थिति उत्पन्न होती है तो इसकी पूरी जिम्मेदारी पंजाब सरकार और प्रशासन की होगी।

उन्होंने बताया कि इससे पहले 15 फरवरी 2026 को कर्मचारियों द्वारा स्वास्थ्य मंत्री की निजी रिहायश पटियाला में भी रोष प्रदर्शन किया गया था। इसके बाद 18 फरवरी को हुई पैनल बैठक में कर्मचारियों की मांगों पर सकारात्मक विचार करने का भरोसा दिया गया था, जिसके बाद धरना समाप्त कर दिया गया था। साथ ही सरकार को चेतावनी दी गई थी कि यदि मांगों का समाधान नहीं हुआ तो मुख्यमंत्री आवास संगरूर के बाहर बड़ा आंदोलन किया जाएगा।

जसमेल सिंह देओल ने कहा कि लगभग तीन महीने बीत जाने के बावजूद कर्मचारियों की प्रमुख मांग, दिल्ली मॉडल के अनुसार 20 प्रतिशत तक वेतन वृद्धि, पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने आरोप लगाया कि स्वास्थ्य मंत्री और विभागीय अधिकारियों के साथ करीब 50 बैठकों के बावजूद कर्मचारियों को केवल आश्वासन ही मिले हैं।

एसोसिएशन के जनरल सेक्रेटरी गुरजंट सिंह खन्ना ने कहा कि विधानसभा चुनावों से पहले आम आदमी पार्टी ने वादा किया था कि सरकार बनने के एक महीने के भीतर कच्चे कर्मचारियों को रेगुलर किया जाएगा और कर्मचारियों के वेतन में 20 प्रतिशत तक वृद्धि की जाएगी, लेकिन अब तक कोई कदम नहीं उठाया गया। उन्होंने कहा कि सरकार अपने कार्यकाल के अंतिम वर्ष में भी कर्मचारियों की मांगों को नजरअंदाज कर रही है।

यूनियन के प्रेस सचिव मुनीश ने कहा कि यह प्रदर्शन छुट्टी वाले दिन आयोजित किया जा रहा है ताकि मरीजों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने जल्द मांगें नहीं मानीं तो 2027 विधानसभा चुनावों के दौरान कर्मचारी घर-घर जाकर सरकार की वादा खिलाफी के बारे में जनता को जागरूक करेंगे।

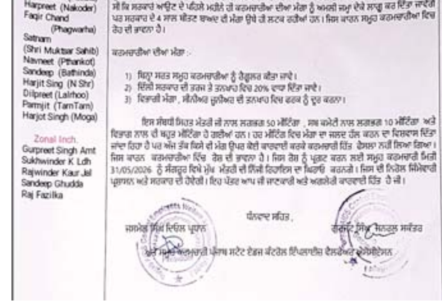
Punjab AIDS Control Employees Welfare Association
(Health Department Punjab) (Reg. No. 04/2009-10)
Head Office: Village Zirakh P.O Lehal Teh. Payal Dist. Ludhiana Punjab 141117
Email: - nacounionpunjab 2015@ gmail.com
President: Jasmail Singh Deol 9501365000
General Sect.: Gurjant Singh 9988160234
Finance Sect.: Kanwaljit Singh 8146111933, Munish 9646871278
Press Sect.: Manish Kumar 9988199567
Chief Adviser: Mahinder Pal Singh 7888729946
Adviser: Beant Kaur (Mansa), Mandeep (Nwa Shr), Suman (Pthankot), Jaspreet Kaur (Anandpur Sahib)
St. Core Committee: Nitish (Jalndhar), Gurwinder (Patiala), Harpreet (Nakoder), Faqir Chand (Phagwarha), Satnam (Shri Muktsar Sahib), Navneet (Pthankot), Sandeep (Bathinda), Harjit Sing (N Shr), Dilpreet (Lalrhoo), Parmjit (TarnTarn), Harjot Singh (Moga)
Zonal Inch.: Gurpreet Singh Amt, Sukhwinder K Ldh, Rajwinder Kaur Jal, Sandeep Ghudda, Raj Fazilka
PACEWA/26/
DATE

जीवन की सच्चाई

अपने शरीर के अंदर उस चेतन-आत्मा को जानना ही परमात्मा है

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़
22 मई (मुकेश डोलिया)

परमात्मा कौन है ? किसको परमात्मा कहें ? आज हम बुद्ध, महावीर स्वामी, जीसस, गुरु नानक देव, साईं बाबा, मीराबाई, सहजोबाई, को क्यों कहते हैं परमात्मा? इसलिए क्योंकि इन्होंने अपने शरीर के अंदर उस चेतन-आत्मा को जाना; इन्होंने जान लिया कि संसार खेल है; ये मेरा ऑफिस, ये मेरा बेटा, ये मेरी माँ, ये मेरा पिता, ये मेरी पत्नी, ये मेरा पति, ये मेरे बच्चे, सब खेल है- मैं कुछ भी नहीं। सो सवाल उठा मैं कौन हूँ? अगर परमात्मा चाहे तो उनको एक पल नहीं लगेगा और वो हमारी आवाज़ बंद कर सकते हैं, एक पल के अंदर शरीर को बिलकुल लाचार कर डालें, तब पानी भी पीने के लिए किसी को इशारा करना पड़ेगा। अभी अगर श्वास रुक गई तो क्या होगा ? इस शरीर को कोई घर में रखेगा नहीं एक दिन के लिए भी; बहुत चहेता हूँ मैं इनका, बहुत प्यारा हूँ पर कहेंगे जल्दी से उठाओ, जलाओ। जब ये समझ आ जाए कि जीवन एक खेल है, तो शांति आ जाएगी। तुम किसको मेरा कहते हो? जिसको तुम मेरा कहते हो वो एक दिन छूटने ही वाला है और जो छूटने वाला है वो तुम्हारा कैसे हो सकता है? जो कभी नहीं छूटता वो तुम्हारा है पर वो सिर्फ एक है जिसने तुम्हें यहाँ भेजा, वो ही वास्तव में पिता, माता, भाई, बहन, पति, पत्नी है, लेकिन उसको तुमने कभी जाना नहीं और वो कहीं और नहीं तुम्हारे अंदर ही गीत गा रहा है, तुम्हें अपने अंदर के गीत में खुद गुम हो जाना है और जब अपने गीत में गुम हुए तो नाची मीरा बीच बाजार, गाये गुरु नानक देव बीच बाजार; साईं बाबा बैठे बीच बाजार और भिक्षा मांगने में भी मस्ती आ गई।

हम इन लोगों से सबक नहीं लेते, सिखावन नहीं लेते कि इन लोगों ने आखिर पाया क्या! तुम इनसे गाड़ी, बंगला, पैसा मांगते हो जो इनके पास था ही नहीं पर जो इन लोगों के पास था, तुम वो मांगते नहीं। कहते जरूर हो इन्हें सच्चिदानंद पर कभी माँगा उनसे वो आनंद जो चित्त में सत् प्रकट होने से आता है, ताकि तत् (परमात्मा) से मिलकर एक हो जाओ ताकि इस शरीर से छूटकर जहाँ पर वो मरकर शरीर के पार पहुँचे, वहाँ तुम भी पहुँच जाओ; उसी को पारब्रह्म लोक कहा है। जैसे कहते हैं कि मैं भारत, दुबई, कुवैत, या अमेरिका में रहता हूँ, ऐसे ही वो भी एक लोक है, पारब्रह्म, जहाँ सब आत्माएँ जो परमात्मा हो गई, वो सब रहती हैं। तो तुम्हारे मनुष्य जीवन में अवसर आया है लेकिन तुम इसे कई जन्मों से चूक गए हो क्योंकि ज्ञान नहीं मिला और बिना ज्ञान के तो कुछ भी नहीं हो सकता है। तुमने स्कूल-कॉलेज में किताबें पढ़ी तभी तुम्हें कहीं नौकरी मिली। अगर तुम्हें मालूम होगा इस जीवन का मकसद क्या है, इस शरीर का उद्देश्य क्या है, अंदर की चेतना का उद्देश्य क्या है तभी तो तुम उस उद्देश्य को पूरा करने के लिए चलोगे; मैं आज मर जाऊँ तो क्या मुझे यहाँ बैठाएगा कोई ? क्या मेरे घर वाले मुझे घुसने देंगे ? वो तो शरीर को जला देंगे या दफना देंगे; पर उसके बाद क्या ? मृत्यु के बाद कौन सा जीवन है ? और मेरी जिंदगी का पता नहीं कि आज हूँ कल नहीं हूँ, कल क्या होगा ? जब किसी के अंदर जिज्ञासा उठती है इन सवालों का जवाब ढूंढ़ने के लिए तो उसके जीवन में सत्यगुरु प्रकट होता है और अपने अनुभव से पाया ब्रह्मज्ञान, यानि मुक्ति का ज्ञान, प्रदान करता है।

इसी तरह के विभिन्न विषयों पर आधारित अन्य वाणियाँ या लेक्चर उनके यूट्यूब चैनल मास्टरजी पर निःशुल्क उपलब्ध हैं। मास्टरजी गारंटी देते हैं कि *3 से 30* वाणियाँ सुनने से ही आपको अपने जीवन में बड़ा परिवर्तन दिखेगा।

आज का
संपादकीय

भोजन कीजिये पर्दे में, खुलेआम नहीं

भारतीय संस्कृति में भोजन को केवल पेट भरने की क्रिया नहीं माना गया। हमारे यहाँ भोजन को यज्ञ कहा गया है, अन्न को ब्रह्म कहा गया है। अन्नं निन्द्यात – अन्न की निंदा मत करो, यह उपनिषद की शिक्षा है। ऐसे में भोजन करने का तरीका, स्थान और भाव तीनों का महत्व रहा है।

इसी परंपरा से निकली है वह पुरानी सीख जो आज भी कई घरों में सुनी जाती है – भोजन कीजिये पर्दे में, खुलेआम नहीं ।यह कहावत अचानक नहीं बनी। इसके पीछे सामाजिक, मनोवैज्ञानिक और व्यवहारिक कारणों की एक लंबी पृष्ठभूमि है। आज जब जीवनशैली तेज़ हो गई है और खुले में खाना आम हो गया है, तब इस कहावत को समझना और उसके मर्म तक पहुँचना ज़रूरी हो जाता है ।प्राचीन भारत में परिवार संयुक्त होते थे, घर बड़े होते थे, और भोजन के लिए एक नियत स्थान होता था – रसोई से लगा हुआ भोजन कक्ष या आंगन। स्त्री–पुरुष, बड़े–छोटे, सबके खाने का समय और क्रम तय था। ऐसे में भोजन को एक निजी और घरेलू कर्म माना जाता था ।खाने के समय मुँह से आवाज़ आना, जल्दी–जल्दी कौर निगलना, हाथ से खाना खाते समय हाथों का लगना – इन सबको अशिष्टता की श्रेणी में रखा गया। माना जाता था कि भोजन के समय मन शांत होना चाहिए, मन में लोभ, क्रोध या ईर्ष्या नहीं होनी चाहिए। इसलिए भोजन के स्थान को पवित्र और एकांत रखने की परंपरा बनी ।महिलाओं के लिए तो यह नियम और सख्त था। पर्दा प्रथा, घूँघट और घर की मर्यादा के कारण महिलाओं का बाहर, सार्वजनिक स्थानों पर खाना खाना वर्जित माना जाता था। सुरक्षा, सम्मान और सामाजिक प्रतिष्ठा – तीनों को ध्यान में रखकर यह नियम बना था। उस समय सार्वजनिक स्थानों पर महिलाओं की सुरक्षा की कोई गारंटी नहीं थी, इसलिए पर्दे में भोजन करना व्यावहारिक भी था।

नरेन्द्र भारती
वरिष्ठ पत्रकार

पर्दे में खाने के पीछे का मनोविज्ञान

पर्दे में खाने का एक बड़ा फायदा मनोवैज्ञानिक है। जब व्यक्ति अकेले या सीमित लोगों के साथ बैठकर खाता है, तो उसका ध्यान भोजन पर रहता है। न दिखावे का दबाव होता है, न फोटो खींचने का, न बातचीत में उलझने का।

आयुर्वेद भी कहता है कि भोजन करते समय मन शांत, प्रसन्न और एकाग्र होना चाहिए। टीवी देखते हुए, चलते–फिरते या भीड़ में खाना खाने से पाचन खराब होता है। पर्दा या एकांत इसी एकाग्रता को संभव बनाता है ।दूसरा पहलू है आत्म–सम्मान। कुछ लोगों को सार्वजनिक रूप से खाते समय असहजता होती है। उन्हें लगता है कि लोग उन्हें देख रहे हैं, जज कर रहे हैं। ऐसे में पर्दा एक सुरक्षा कवच बन जाता है। यह शर्म नहीं, आत्म–रक्षा का तरीका है।

आज का समाज पहले जैसा नहीं रहा। संयुक्त परिवार टूट रहे हैं, लोग नौकरी के लिए शहरों में अकेले रहते हैं, महिलाएँ ऑफिस जाती हैं, छात्र हॉस्टल में रहते हैं। ऐसे में घर बैठकर पर्दे में खाना हमेशा संभव नहीं रहता ।खाना अब केवल घर का कर्म नहीं रहा। यह एक सामाजिक गतिविधि बन गया है। दोस्तों के साथ कैफे जाना, सहकर्मियों के साथ लंच करना, सफर में स्टेशन पर खाना खाना – यह सब जीवन का हिस्सा है। फूड कल्चर बढ़ा है, लोग नए–नए व्यंजन आज़माते हैं, और उसे साझा करते हैं ।इस बदलाव ने खुलेआम खाने को सामान्य बना दिया है। भूख किसी का इंतज़ार नहीं करती। अगर ऑफिस में दोपहर हो गई और कैन्टीन में खाना खाना पड़े, तो इसमें न शर्म है, न गलती

समस्या तब आती है जब हम पर्दे में खाना को आदेश और खुलेआम खाना को बेशर्मी समझ लेते हैं। दोनों ही चरम पर जाकर बात बिगड़ती है ।अगर कोई व्यक्ति सामाजिक दबाव के कारण पर्दे में छुपकर खाता है, तो यह उसके आत्मविश्वास को तोड़ता है। वहीं अगर कोई व्यक्ति दूसरों की असहजता को समझे बिना, जानबूझकर सार्वजनिक स्थान पर अशिष्ट तरीके से खाता है, तो यह भी ठीक नहीं।

मूल बात यह है कि भोजन का तरीका आपकी सहजता और सामने वाले के सम्मान पर निर्भर होना चाहिएद्यआज के समय में हमें पुरानी कहावत को शाब्दिक नहीं, बल्कि भावनात्मक रूप से समझना होगा ।पर्दे में खाना का मतलब यह नहीं कि आप चार दीवारी में कैद हो जाएँ। इसका मतलब है – भोजन को सम्मान दें, जल्दीबाज़ी न करें, दिखावे के लिए न खाएँ। अगर आपको एकांत में शांति मिलती है, तो वह अपनाएँ ।खुलेआम खाना* का मतलब यह नहीं कि मर्यादा भूल जाएँ। सार्वजनिक स्थान पर खाते समय आवाज़ न करें, दूसरों को असहज न करें, सफाई का ध्यान रखें। यह भी उतना ही ज़रूरी है ।दोनों स्थितियों में जो चीज़ समान है, वह है – भोजन के प्रति कृतज्ञता। जब आप भोजन को भगवान का प्रसाद मानते हैं, तो चाहे आप कमरे में हों या सड़क पर, आपका आचरण अपने आप मर्यादित हो जाता है ।आज के बच्चों को हम अक्सर कहते हैं – लोग क्या कहेंगे? इसी डर ने कई लोगों को भोजन के समय असहज बना दिया है। ज़रूरत इस बात की है कि बच्चों को सिखाएँ कि भोजन करना कोई शर्म की बात नहीं है ।उन्हें सिखाएँ कि खाते समय मोबाइल न चलाएँ, भोजन बर्बाद न करें, थाली साफ करें। चाहे वह घर में खाएँ या बाहर, उनका ध्यान भोजन और कृतज्ञता पर हो। अगर बच्चा हॉस्टल में है और उसे अकेले खाना पड़ता है, तो उसे यह महसूस न हो कि वह कुछ गलत कर रहा है। वहीं अगर बच्चा दोस्तों के साथ रेस्टोरेंट में है, तो उसे यह भी सिखाएँ कि शोर न मचाएँ, वेटर्स का सम्मान करें। मन में होती है, पर्दे में नहींभोजन कीजिये पर्दे में, खुलेआम नहीं – यह वाक्य एक चेतावनी नहीं, एक सलाह है। सलाह कि भोजन को हल्के में न लें। सलाह कि खाने के समय मन को शांत रखें। सलाह कि भोजन को दिखावे का साधन न बनाएँ।

लेकिन अगर समय और परिस्थिति आपको खुलेआम खाने के लिए बाध्य करती है, तो उसमें भी कोई दोष नहीं। असली पर्दा तो मन का होना चाहिए – वह पर्दा जो लोभ, घमंड, ईर्ष्या और असंयम को ढकता है ।आज जब हम इस कहावत को दोहराएँ, तो इसका अर्थ यह न निकालें कि सबको घर में छुपकर खाना है। बल्कि यह समझें कि जहाँ भी खाएँ, सम्मान से खाएँ। भोजन को जल्दी निपटाएँ, उसे अनुभव बनने दें। और सबसे बढ़कर, दूसरों की पसंद का सम्मान करें ।क्योंकि अंत में, भोजन का असली स्वाद थाली में नहीं, मन की शांति में होता है। और वह शांति आपको पर्दा दे सकता है, खुला माहौल भी दे सकता है – बशर्ते आपकी सोच साफ हो।

दहेज की आग में जलते रिश्ते : आधुनिक समाज पर बड़ा सवाल

तेजी से बदलते आधुनिक भारत में जहां महिलाओं को समान अधिकार और सम्मान देने की बातें की जाती हैं, वहीं दहेज जैसी कुप्रथा आज भी समाज पर एक गहरे दाग की तरह मौजूद है। शिक्षित और संपन्न परिवारों में भी दहेज प्रताड़ना तथा दहेज हत्या के मामले सामने आना बेहद चिंताजनक है। हाल के दिनों में नोएडा और ग्रेटर नोएडा से जुड़े मामलों ने यह साबित कर दिया कि आर्थिक विकास के बावजूद समाज की सोच पूरी तरह नहीं बदली है। दहेज की मांग केवल आर्थिक बोझ नहीं बनती, बल्कि कई बेटियों की जिंदगी भी छीन लेती है। कानून होने के बावजूद ऐसी घटनाएं रुक नहीं रहीं, क्योंकि समस्या केवल कानूनी नहीं बल्कि सामाजिक मानसिकता से जुड़ी हुई है। जब तक समाज स्वयं दहेज के खिलाफ खड़ा नहीं होगा और युवाओं में जागरूकता नहीं आएगी, तब तक इस कुरीति को पूरी तरह समाप्त करना संभव नहीं होगा।

देश आज 21वीं सदी में विज्ञान, तकनीक, शिक्षा और आर्थिक विकास के नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रही हैं। वे सेना, राजनीति, प्रशासन, व्यापार और विज्ञान जैसे क्षेत्रों में पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर आगे बढ़ रही हैं। इसके बावजूद यदि दहेज प्रताड़ना और दहेज हत्या जैसी घटनाएं लगातार सामने आती रहें, तो यह हमारे समाज के लिए बेहद शर्मनाक और चिंताजनक स्थिति है। यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि आखिर आधुनिकता और शिक्षा के इतने विस्तार के बाद भी समाज दहेज जैसी कुप्रथा से मुक्त क्यों नहीं हो पाया?

हाल ही में सामने आए दो मामलों ने पूरे देश को झकझोर दिया है। पहला मामला नोएडा की त्विषा शर्मा की संदिग्ध मौत का है, जिनकी ससुराल भोपाल में थी। दूसरा मामला ग्रेटर नोएडा की दीपिका नागर का है। दोनों ही मामलों में परिवारों ने दहेज प्रताड़ना और हत्या के गंभीर आरोप लगाए हैं। इन घटनाओं ने एक बार फिर यह सोचने पर मजबूर कर दिया है कि समाज में बेटियों की स्थिति वास्तव में कितनी सुरक्षित है।

दीपिका नागर के परिवार का आरोप है कि उन्होंने अपनी बेटी की शादी में एक करोड़ रुपये से अधिक खर्च किए। महंगे उपहार, वाहन और अन्य सुविधाएं देने के बावजूद ससुराल पक्ष की दहेज की मांग खत्म नहीं हुई। परिवार का कहना है कि लगातार मानसिक और आर्थिक दबाव बनाया जाता रहा, जिसके कारण उनकी बेटी की जान चली गई। दूसरी ओर, त्विषा शर्मा की मौत ने इतना बड़ा रूप ले लिया कि मध्य प्रदेश सरकार को मामले की जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआइ) को सौंपनी पड़ी। दोनों मामलों में पुलिस जांच जारी है और अंतिम निष्कर्ष अभी सामने नहीं आए हैं, लेकिन इन घटनाओं ने समाज की संवेदनहीन मानसिकता को उजागर कर दिया है।

सबसे अधिक चिंताजनक तथ्य यह है कि ये दोनों परिवार आर्थिक रूप से संपन्न और शिक्षित माने जाते हैं। इससे स्पष्ट होता है कि दहेज की समस्या केवल गरीब या अशिक्षित वर्ग तक सीमित नहीं है। अक्सर यह माना जाता है कि शिक्षा और आर्थिक प्रगति के साथ सामाजिक बुराइयां समाप्त हो जाती हैं, लेकिन दहेज प्रथा इस धारणा को गलत साबित करती दिखाई देती है। उच्च शिक्षित और प्रतिष्ठित परिवारों में भी दहेज को प्रतिष्ठा और लालच से जोड़कर देखा जा रहा है।

हालांकि यह भी सच है कि कुछ मामलों में दहेज प्रताड़ना कानूनों के दुरुपयोग की शिकायतें सामने आती रही हैं। अदालतें भी इस विषय पर चिंता व्यक्त कर चुकी हैं। कई बार पारिवारिक विवादों को दहेज प्रताड़ना का रूप देकर कानूनी कार्रवाई की जाती है। लेकिन कानून के दुरुपयोग के कुछ उदाहरणों के आधार पर सभी मामलों को झूठा नहीं कहा जा सकता। वास्तविकता यह है कि आज भी हजारों महिलाएं दहेज के कारण शारीरिक और मानसिक अत्याचार झेल रही हैं। कई महिलाएं समाज और परिवार के दबाव में चुप रह जाती हैं, जबकि कुछ आत्महत्या जैसा कठोर कदम उठाने को मजबूर हो जाती हैं। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के आंकड़े इस समस्या की भयावहता को दर्शाते हैं। वर्ष 2024 में देशभर में दहेज हत्या के 5,737 मामले दर्ज किए गए। यह संख्या केवल सरकारी रिकॉर्ड का हिस्सा नहीं, बल्कि उन हजारों परिवारों के टूटे सपनों और बेटियों की दर्दनाक मौत की कहानी है। विशेषज्ञों का मानना है कि वास्तविक संख्या इससे कहीं अधिक हो सकती है, क्योंकि कई मामले सामाजिक दबाव, डर या समझौते के कारण सामने ही नहीं आ पाते।

दहेज प्रथा की जड़ें भारतीय समाज में लंबे समय से मौजूद हैं। पहले इसे बेटी को आर्थिक सुरक्षा देने की परंपरा के रूप में देखा जाता था, लेकिन समय के साथ यह एक लालची और अमानवीय प्रथा में बदल गई। आज कई परिवार विवाह को सामाजिक संबंध नहीं, बल्कि आर्थिक सौदे के रूप में देखने लगे हैं। वर पक्ष अपनी सामाजिक और आर्थिक स्थिति के आधार पर मोटी रकम, गाड़ी, संपत्ति और महंगे उपहारों की मांग करता है। दुखद बात यह है कि कई बार लड़की पक्ष सामाजिक प्रतिष्ठा और रिश्ते बचाने के लिए इन मांगों को पूरा करने का प्रयास करता है, जिससे यह कुप्रथा और मजबूत होती जाती है।

आज नौकरी करने वाली और आत्मनिर्भर महिलाएं भी दहेज प्रताड़ना से सुरक्षित नहीं हैं। विवाह के बाद उनसे वेतन लाने, महंगे सामान देने या परिवार की आर्थिक जरूरतें पूरी करने का दबाव बनाया जाता है। यदि मांगें पूरी न हों तो उन्हें मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया जाता है। यह स्थिति बताती है कि समस्या केवल आर्थिक नहीं, बल्कि सोच और मानसिकता से जुड़ी हुई है।

विशेषज्ञों का कहना है कि केवल कानून बनाकर दहेज प्रथा को समाप्त नहीं किया जा सकता। दहेज निषेध अधिनियम और कठोर दंड व्यवस्था के बावजूद यदि ऐसी घटनाएं लगातार हो रही हैं, तो इसका मतलब है कि समाज को भीतर से बदलने की आवश्यकता है। सबसे पहले परिवारों को अपनी सोच बदलनी होगी। बेटियों को बोझ नहीं, बल्कि समान अधिकारों वाली स्वतंत्र नागरिक के रूप में स्वीकार करना होगा। वहीं युवाओं को भी आगे आकर दहेज लेने से साफ इनकार करना चाहिए। जब लड़के स्वयं दहेज का विरोध करेंगे, तभी समाज में वास्तविक बदलाव दिखाई देगा।

स्कूलों और कॉलेजों में भी नैतिक शिक्षा और सामाजिक जागरूकता पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। मीडिया और सामाजिक संगठनों को भी इस विषय पर लगातार अभियान चलाने चाहिए, ताकि लोगों की मानसिकता बदले। समाज को यह समझना होगा कि दहेज से सम्मान नहीं, बल्कि रिश्तों में कड़वाहट और अपराध जन्म लेते हैं।

दहेज प्रथा केवल एक सामाजिक बुराई नहीं, बल्कि मानवता पर कलंक है। यह महिलाओं के सम्मान, अधिकार और जीवन पर सीधा हमला है। जब तक समाज सामूहिक रूप से इसके खिलाफ खड़ा नहीं होगा, तब तक केवल कानून इस समस्या को पूरी तरह समाप्त नहीं कर पाएंगे। जरूरत इस बात की है कि विवाह को लेन–देन का माध्यम नहीं, बल्कि प्रेम, विश्वास और समानता का रिश्ता माना जाए। तभी हम एक ऐसे समाज की कल्पना कर सकते हैं, जहां बेटियां सुरक्षित, सम्मानित और आत्मविश्वास के साथ अपना जीवन जी सकें।

अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस 22 मई

इसका मुख्य उद्देश्य पृथ्वी पर मौजूद पेड़-पौधों, जीव–जंतुओं और सूक्ष्म जीवों की विभिन्न प्रजातियों (जैव विविधता) और पारिस्थितिकी तंत्र के संरक्षण के प्रति दुनिया भर में जागरूकता फैलाना है ।

जैव विविधता क्या है?

*जैव विविधता का अर्थ है पृथ्वी पर पाए जाने वाले सभी जीवों–पौधे, पशु, सूक्ष्मजीव–की विविधता। इसमें उनके जीन, प्रजातियों और पारिस्थितिक तंत्रों की विविधता शामिल है।

यह प्रकृति का संतुलन बनाए रखने, पारिस्थितिक सेवाएं प्रदान करने और मानव जीवन को समर्थन देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

शशि पाल
प्रवक्ता इतिहास

*अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस 22 मई 2026 की थीम वैश्विक प्रभाव के लिए स्थानीय स्तर पर कार्य करना है ।यह विषय वैश्विक जैव विविधता लक्ष्यों को प्राप्त करने और प्रकृति के नुकसान को रोकने में स्थानीय समुदायों, संगठनों और सरकारों की महत्वपूर्ण भूमिका को उजागर करता है। इस दिवस की शुरुआत संयुक्त राष्ट्र महासभा (UNGA) द्वारा की गई थी। 22 मई 1992 को नैरोबी में जैव विविधता सम्मेलन के पाठ को अपनाया गया था। इस महत्वपूर्ण घटना की स्मृति में और वैश्विक स्तर पर पर्यावरण के प्रति प्रतिबद्धता बनाए रखने के लिए हर साल यह दिवस मनाया जाता है।

जैव विविधता का क्या महत्व है?

*पारिस्थितिकी संतुलन-विभिन्न जीव–जंतु और पौधे मिलकर एक ऐसा चक्र बनाते हैं जो पर्यावरण को स्थिर और स्वस्थ रखता है।

***जीवन की बुनियादी जरूरतें :** मनुष्य अपने अस्तित्व के लिए पूरी तरह जैव विविधता पर निर्भर है। यह हमें सांस लेने के लिए शुद्ध हवा, पीने का पानी, भोजन और दवाइयां प्रदान करती है।

***जलवायु परिवर्तन का मुकाबला :** स्वस्थ और विविधतापूर्ण पारिस्थितिक तंत्र (जैसे जंगल और महासागर) कार्बन को अवशोषित करते हैं और जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करते हैं।

*मानवीय गतिविधियों और प्रदूषण के कारण आज लाखों प्रजातियां विलुप्त होने की कगार पर हैं। यह दिवस हमें याद दिलाता है कि जैव विविधता की रक्षा करना हमारे अपने भविष्य को सुरक्षित रखने के लिए कितना आवश्यक है। वर्ष 2000 में संयुक्त राष्ट्र महासभा (UNGA) ने 22 मई को अंतर्राष्ट्रीय जैवविविधता दिवस के रूप में घोषित किया। प्रकृति में विविधता, जीवन की शक्ति।

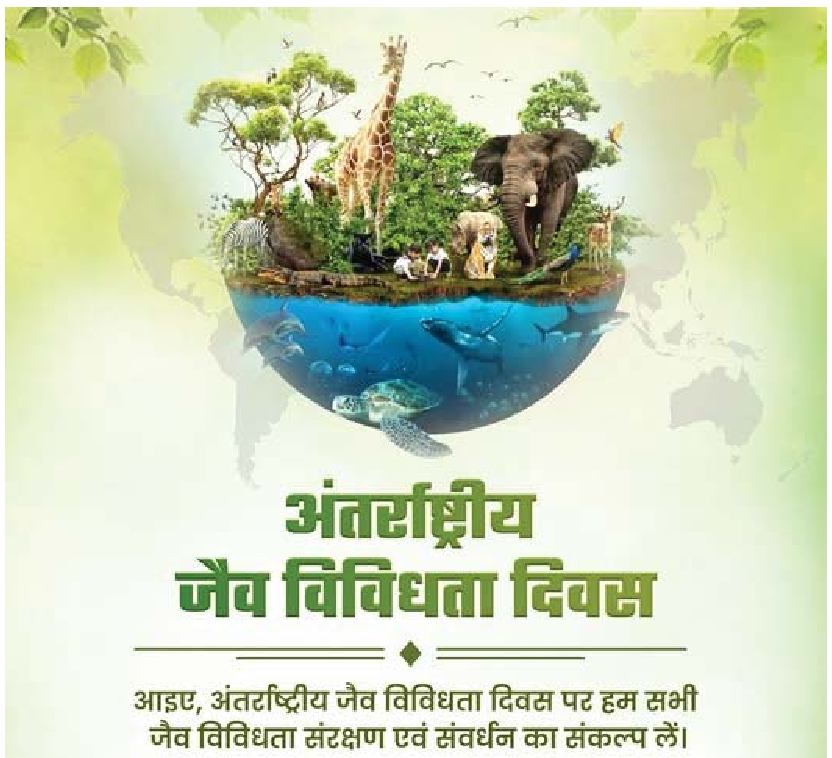

महिलाओं का मान-सम्मान और सुरक्षा: एक समृद्ध समाज की अनिवार्य शर्त

एक सभ्य और प्रगतिशील समाज की पहचान इस बात से होती है कि वहां महिलाओं को कितना सम्मान और सुरक्षा प्राप्त है। भारतीय संस्कृति में जहां यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवता- (जहां नारियों की पूजा होती है, वहां देवता निवास करते हैं) का श्लोक पढ़ा जाता है, वहीं आधुनिक दौर में महिलाओं की जमीनी हकीकत इस आदर्श से काफी जुदा नजर आती है। आज महिलाएं अंतरिक्ष से लेकर खेल के मैदान तक हर जगह परचम लहरा रही हैं, लेकिन इसके समानांतर ही उनकी सुरक्षा और सम्मान पर लगातार खतरे मंडरा रहे हैं।

1. वर्तमान स्थिति और आंकड़े : एक चिंताजनक तस्वीर

भारत में महिलाओं की सुरक्षा की स्थिति को समझने के लिए सरकारी आंकड़ों पर नजर डालना जरूरी है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो की हालिया रिपोर्टें एक भयावह हकीकत बयां करती हैं:

अपराधों में वृद्धि : आंकड़ों के अनुसार, महिलाओं के खिलाफ होने वाले अपराधों (जैसे घरेलू हिंसा, बलात्कार, अपहरण और उत्पीड़न) में लगातार बढ़ोतरी दर्ज की गई है। प्रति लाख आबादी पर महिलाओं के खिलाफ अपराध की दर में इजाफा हुआ है।

घरेलू हिंसा का दबदबा : महिलाओं के खिलाफ होने वाले कुल अपराधों में सबसे बड़ा हिस्सा पति या रिश्तेदारों द्वारा क्रूरता (धारा 498A) का है, जो यह दर्शाता है कि महिलाएं अपने घरों के भीतर भी पूरी तरह सुरक्षित नहीं हैं।

कार्यस्थल पर उत्पीड़न : देश में कामकाजी महिलाओं की संख्या बढ़ने के साथ ही कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न के मामलों में भी वृद्धि देखी गई है।

साइबर अपराध : डिजिटल इंडिया के इस दौर में महिलाओं के खिलाफ साइबर स्टॉकिंग, बुलिंग और डीपफेक जैसे नए जमाने के अपराध तेजी से बढ़े हैं।

2. महिला सुरक्षा और सम्मान में मुख्य बाधाएं

महिलाओं को समाज में उनका हक और सुरक्षित माहौल न मिल पाने के पीछे कई गहरे सामाजिक और प्रशासनिक कारण हैं:

पितृसत्तात्मक मानसिकता हमारे समाज में आज भी पुरुषों को महिलाओं से श्रेष्ठ मानने की सोच रूढ़ हो चुकी है। लड़कों और लड़कियों के पालन–पोषण में भेदभाव इस समस्या की जड़ है।

कानूनों के क्रियान्वयन में ढीलापन : भारत में कानून (जैसे पॉक्सो एक्ट, घरेलू हिंसा अधिनियम, निर्भया फंड आदि) मजबूत हैं, लेकिन न्याय मिलने में होने वाली देरी और पुलिसिया कार्रवाई में संवेदनशीलता की कमी अपराधियों के हौसले बुलंद करती है।

दोषी को ठहराने के बजाय पीड़िता को कोसना (Victim Blaming) : किसी भी अप्रिय घटना के बाद समाज अक्सर महिला के कपड़ों, बाहर निकलने के समय या उसके आचरण पर सवाल उठाने लगता है, जो उसके मान–सम्मान को दोगुनी ठेस पहुंचाता है।

मोती राम चौहान
करसोग मण्डी हिमाचल प्रदेश

आर्थिक निर्भरता : बहुत सी महिलाएं आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर नहीं हैं, जिसके कारण वे आत्मसम्मान से समझौता करने और हिंसा को सहने पर मजबूर हो जाती हैं।

3. सुरक्षा और सम्मान के लिए किए गए सरकारी प्रयास

सरकार द्वारा महिलाओं को सशक्त और सुरक्षित बनाने के लिए कई कदम उठाए गए हैं:

योजना/कानून मुख्य उद्देश्य

मिशन शक्ति महिलाओं की सुरक्षा, संरक्षा और सशक्तिकरण के लिए एक एकीकृत अंब्रेला योजना। वन स्टॉप सेंटर हिंसा से पीड़ित महिलाओं को एक ही छत के नीचे चिकित्सा, कानूनी और मनोवैज्ञानिक सहायता प्रदान करना।

महिला हेल्पलाइन (181) संकट में फंसी महिलाओं के लिए 24 घंटे मुफ्त आपातकालीन प्रतिक्रिया सेवा।

अधिनियम (2013) कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न को रोकने और उनके निवारण के लिए सख्त नियम।

4. मान-सम्मान और सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध : आगे की राह

महिला सुरक्षा को महज एक कानून व्यवस्था का मुद्दा मानने के बजाय इसे एक सामाजिक जिम्मेदारी के रूप में देखना होगा। इसके लिए निम्नलिखित कदम उठाए जाने अनिवार्य हैं:

क) शिक्षा और संवेदीकरण

बचपन से शुरुआत : स्कूलों के पाठ्यक्रम में जेंडर इक्वालिटी (लैंगिक समानता) को अनिवार्य किया जाना चाहिए। लड़कों को बचपन से ही महिलाओं का सम्मान करना सिखाया जाए।

आत्मरक्षा का प्रशिक्षण सभी सरकारी और निजी स्कूलों में लड़कियों के लिए आत्मरक्षा की ट्रेनिंग अनिवार्य होनी चाहिए।

ख) प्रशासनिक और कानूनी सुधार

फास्ट ट्रैक कोर्ट : महिलाओं से जुड़े गंभीर अपराधों की सुनवाई के लिए फास्ट ट्रैक अदालतों की संख्या बढ़ाई जाए ताकि दोषियों को कम से कम समय में कड़ी सजा मिल सके।

सशक्त पुलिसिंग : सार्वजनिक स्थानों पर सीसीटीवी कैमरों की निगरानी और महिला पुलिस कर्मियों की गश्त (जैसे पिंक पेट्रोल) को बढ़ाया जाना चाहिए।

ग) आर्थिक सशक्तिकरण

महिलाओं को समान काम के लिए समान वेतन मिलना सुनिश्चित हो। ग्रामीण क्षेत्रों में महिला स्वयं सहायता समूहो को और मजबूत किया जाए ताकि महिलाएं आर्थिक रूप से स्वतंत्र हो सकें।

घ) डिजिटल सुरक्षा

साइबर पुलिस को आधुनिक तकनीक से लैस किया जाए ताकि महिलाओं की मॉर्फ्ड तस्वीरों या सोशल मीडिया पर उत्पीड़न के मामलों पर तुरंत एक्शन लिया जा सके।

संक्षिप्त न्यूज

भाजपा ने पार्टी विरोधी गतिविधियों पर दिखाई सख्ती

नालागढ़-पंजेहरा मंडल से दो नेता 6 साल के लिए निष्कासित

शिमला (एएम नाथ)– हिमाचल प्रदेश भाजपा ने पंचायतीराज एवं नगर निकाय चुनावों में पार्टी विरोधी गतिविधियों को लेकर कड़ा रुख अपनाते हुए दो नेताओं के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की है। भाजपा प्रदेश कार्यालय द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया कि चुनावों के लिए गठित अनुशासन समिति को नालागढ़-पंजेहरा मंडल से शिकायतें प्राप्त हुई थीं।

शिकायत के अनुसार किसान मोर्चा जिला महामंत्री ज्ञान ठाकुर ने जिला परिषद चुनाव में पार्टी के अधिकृत प्रत्याशी के खिलाफ चुनाव लड़ा, जबकि किसान मोर्चा जिला प्रवक्ता अमित राणा पर चुनाव के दौरान पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल रहने के आरोप लगे।

अनुशासन समिति ने दोनों मामलों पर गंभीरता से विचार-विमर्श किया और इसे पार्टी अनुशासनहीनता का गंभीर मामला माना। इसके बाद समिति ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल को कार्रवाई की सिफारिश भेजी।

समिति की अनुशंसा के आधार पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल ने तत्काल प्रभाव से कार्रवाई करते हुए दोनों नेताओं को उनके दायित्वों से मुक्त कर दिया। साथ ही किसान मोर्चा जिला महामंत्री ज्ञान ठाकुर, जो नालागढ़ के वार्ड नंबर-14 दनोटा से पार्टी प्रत्याशी के खिलाफ चुनाव मैदान में उतरे थे, तथा किसान मोर्चा जिला प्रवक्ता अमित राणा को पार्टी से छह वर्षों के लिए निलंबित कर दिया गया है।

भाजपा ने स्पष्ट संकेत दिए हैं कि पार्टी अनुशासन और अधिकृत प्रत्याशियों के खिलाफ गतिविधियों को किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

जिला में पंचायती राज संस्थाओं के चुनाव के लिए कुल 557 मतदान केन्द्र स्थापित

47 अतिसंवेदनशील, 130 संवेदनशील तथा 380 सामान्य मतदान केन्द्र

बिलासपुर (जितेंद्र गौतम)– जिला निर्वाचन अधिकारी पंचायत एवं उपायुक्त बिलासपुर राहुल कुमार ने बताया कि आगामी 26, 28 तथा 30 मई को निर्धारित पंचायती राज संस्थाओं के चुनाव के लिए जिला में कुल 557 मतदान केन्द्र स्थापित किए गए है। जिनमें 47 अतिसंवेदनशील, 130 संवेदनशील तथा 380 सामान्य मतदान केन्द्र शामिल है। उन्होंने बताया कि जिला में स्थापित कुल 557 मतदान केन्द्रों में से 152 सदर, 191 घुमारवीं, 135 झंडूता तथा 79 श्री नैना देवी जी विकास खण्ड के अंतर्गत स्थापित किए गए है। उन्होंने बताया कि सदर विकास खण्ड के अंतर्गत स्थापित कुल 152 मतदान केन्द्रों में से 09 अतिसंवेदनशील तथा 28 संवेदनशील, जबकि घुमारवीं विकास खण्ड के अंतर्गत स्थापित कुल 191 मतदान केन्द्रों में से 09 अतिसंवेदनशील तथा 77 संवेदनशील श्रेणी में है। इसी तरह जहां झंडूता विकास खण्ड के अंतर्गत स्थापित कुल 135 मतदान केन्द्रों में से 26 अतिसंवेदनशील तथा 20 संवेदनशील, तो वहीं श्री नैना देवी जी विकास खण्ड के अंतर्गत स्थापित कुल 79 मतदान केन्द्रों में से 03 अतिसंवेदनशील तथा 05 संवेदनशील मतदान केन्द्र है। उन्होंने कहा कि स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण मतदान सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त सुरक्षाकर्मियों की तैनाती की जाएगी।

पंचायत चुनाव 2026 को लेकर मतदान कर्मियों को दिया प्रशिक्षण, किसान भवन में आयोजित हुई चुनावी रिहर्सल

बिलासपुर, (जितेंद्र गौतम/धर्मपाल)– पंचायती राज संस्थाओं के चुनाव-2026 के तहत विकासखंड सदर, बिलासपुर में मतदान प्रक्रिया को सुचारू एवं निष्पक्ष ढंग से संपन्न करवाने के उद्देश्य से किसान भवन बिलासपुर में पीठासीन अधिकारियों एवं पोलिंग अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण एवं चुनावी रिहर्सल कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में लगभग 650 अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया।

कार्यक्रम के दौरान विकास खंड अधिकारी सदर विजय कुमार एवं पंचायत इंस्पेक्टर महेंद्र ने चुनाव ड्यूटी में तैनात कर्मचारियों को पंचायत चुनाव से संबंधित विभिन्न प्रक्रियाओं की विस्तृत जानकारी दी। अधिकारियों को बैलट पेपर एवं बैलट बॉक्स के सही उपयोग के साथ-साथ चुनाव में प्रयुक्त होने वाले आवश्यक प्रपत्रों को भरने की प्रक्रिया भी विस्तार पूर्वक समझाई गई।

प्रशिक्षण के दौरान मतदान प्रक्रिया को पारदर्शी एवं त्रुटि रहित बनाने पर विशेष जोर दिया गया। कर्मचारियों को मतदाताओं द्वारा मतपत्र पर सही तरीके से मोहर लगाने, मतदाता सूची के प्रभावी उपयोग तथा ऑनलाइन डाटा एंट्री से जुड़े आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए।

साढ़े तीन साल में हिमाचल को गर्त में ले गई सुक्खू सरकार : जय राम ठाकुर

कहा, झूठी गारंटियों और टैक्स के बोझ से जनता त्रस्त, 300 यूनिट फ्री बिजली की गारंटी देकर छीनी पूर्व सरकार द्वारा दी जा रही बिजली

» प्रथम न्यूज । शिमला
22 मई (बी.शर्मा)

पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने मंडी से जारी प्रेस बयान में वर्तमान सुखविंदर सिंह सुक्खू सरकार के साढ़े तीन साल के कार्यकाल की तीखी आलोचना करते हुए कहा है कि झूठी गारंटियों के सहारे सत्ता में आई कांग्रेस सरकार के पास अपनी एक भी उपलब्धि बताने के लिए कुछ नहीं है और समाज का हर वर्ग व्यवस्था परिवर्तन का खोखला नारा देने वाली इस सरकार की जनविरोधी नीतियों तथा गलत फैसलों से पूरी तरह त्रस्त हो चुका है। सत्ता में आने के पहले 300 यूनिट फ्री बिजली की गारंटी देने वाली कांग्रेस के मुखिया सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने पूर्वा सरकार द्वारा दी जा रही फ्री बिजली छीन ली है। उन्होंने कहा कि आज पूरा प्रदेश सुक्खू सरकार से यह सवाल पूछ रहा है कि आखिर साढ़े तीन साल में उसने विकास का कौन सा कार्य किया है, क्योंकि धरातल पर समूचे हिमाचल प्रदेश में विकास के कार्य पूरी तरह ठप पड़े हैं और यह सरकार जनता पर भारी-भरकम टैक्स का बोझ लादने के अलावा अपनी हर मोर्चे पर नाकामी को छिपाने में पूरी तरह असफल साबित हुई है।

जयराम ठाकुर ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि केंद्र सरकार की जनहितैषी योजनाओं के पैसे का दुरुपयोग करके उसे राज्य सरकार अपनी फ्लैगशिप योजनाओं के झूठे प्रचार-प्रसार में पानी की तरह बहा रही है, जबकि प्रदेश की जनता आज अपने हक के लिए सड़कों पर है। कांग्रेस ने चुनाव से पहले प्रदेश की जनता को जो बड़ी-बड़ी गारंटियां दी थीं, आज हिमाचल की जनता उन गारंटियों का हिसाब मांग रही है, जिससे बचने के लिए मुख्यमंत्री और उनके मंत्री जनता के बीच आने से लगातार कतरा रहे हैं।

उन्होंने पूछा कि आखिर क्यों वादे के मुताबिक 18 साल से अधिक आयु की महिलाओं को आज तक 1500 रुपये प्रतिमाह नहीं दिए जा रहे हैं और युवाओं को पांच लाख रोजगार देने की

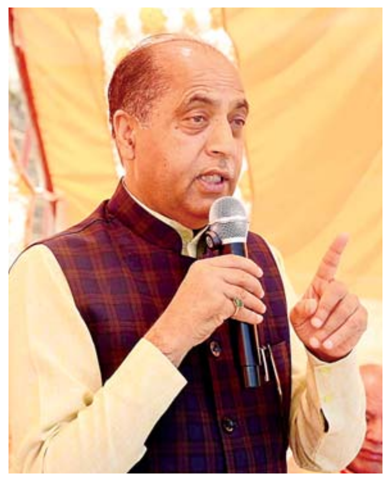

बड़ी गारंटी देने के बावजूद ये सरकार साढ़े तीन साल के लंबे कार्यकाल में पच्चीस हजार लोगों को भी रोजगार देने में नाकाम रही है, जिससे प्रदेश का युवा वर्ग ठगा सा महसूस कर रहा है।

बिजली और पानी के मोर्चे पर सरकार को घेरते हुए नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि कांग्रेस ने सत्ता में आने से पहले जनता को तीन सौ यूनिट मुफ्त बिजली देने का झांसा दिया था, लेकिन मुफ्त देना तो दूर, पूर्व की भाजपा सरकार द्वारा गरीब जनता को दी गई 125 यूनिट मुफ्त बिजली की सुविधा को भी इस निर्दयी सरकार ने छीन लिया है। यही नहीं, ग्रामीण क्षेत्रों में भी पानी के भारी-भरकम बिल भेजे जा रहे हैं, जिसके कारण गांवों में रहने वाले गरीब परिवारों का जीना दूभर हो गया है।

सुक्खू सरकार ने प्रदेश के अन्नदाताओं, किसानों और बागवानों को भी पूरी तरह ठगने का काम किया है। दूध उत्पादकों से दूध की सरकारी खरीद नहीं की जा रही है और मुख्यमंत्री झूठे दावे कर रहे हैं कि हमने दूध के दाम बढ़ाकर किसानों की आमदनी बढ़ा दी है, जबकि कड़वी हकीकत यह है कि सरकारी खरीद न होने के कारण परेशान होकर किसानों को अपना दूध खुले में सड़कों पर फेंकना पड़ रहा है। जयराम ठाकुर ने मुख्यमंत्री सुक्खू द्वारा स्थानीय निकाय चुनाव में कांग्रेस की जीत के दावों को पूरी तरह खारिज करते हुए कहा कि अपनी तय हार को देखते हुए कांग्रेस ने बिना अधिकृत प्रत्याशी घोषित किए यह चुनाव लड़ा और अब मुख्यमंत्री अपनी खीझ मिटाने के लिए जीत के झूठे आंकड़े पेश कर रहे हैं, जबकि असलियत यह है कि इन चुनावों में भाजपा समर्थित उम्मीदवारों ने प्रचंड बहुमत हासिल किया है जिसके लिए भाजपा प्रदेश की जागरूक जनता का आभार व्यक्त करती है।

उन्होंने साफ कहा कि हिमाचल की जनता कांग्रेस के इन साढ़े तीन सालों के कुशासन, बढ़ते भ्रष्टाचार, विकास शून्यता और धोखेबाजी को अच्छी तरह समझ चुकी है और जनता में इस सरकार के खिलाफ जो भारी आक्रोश है, उसे वे चुनावों में वोट की चोट के माध्यम से निकालकर भाजपा के पक्ष में एकतरफा मतदान कर रहे हैं, जिसका करारा जवाब इस जनविरोधी सरकार को जल्द ही मिल जाएगा।

ईएसआईसी के हिमाचल के क्षेत्रीय निदेशक को नई दिल्ली में दी अहम जिम्मेदारी

निगम नई दिल्ली मुख्यालय में दिया अस्थाई तौर पर डिविजन हैड का कार्यभार

बी बी एन, 22 मई (तारा) : कर्मचारी राज्य बीमा निगम के हिमाचल के क्षेत्रीय निदेशक कर्नल मंजीत कटोच की निगम के मुख्यालय नई दिल्ली में राष्ट्रीय स्तर पर अहम पद सौंपा है। कर्नल कटोच को इएसआई मुख्यालय में बतौर डिविजनल हेड (कार्मिक एवं प्रशाशन) का अस्थाई कार्यभार सौंपा है। यह निगम का एक अति महत्वपूर्ण दायित्व का पद है। जैसे ही उद्योगपतियों, कर्मचारियों एवं पणधारियों को इस बारे पता चला तो उनकी खुशी का कोई ठिकाना नहीं रहा। उद्योगपतियों एवं पणधारियों में विश्वास है की ऐसे आदर्श प्रसाशनिक अधिकारी जब राष्ट्रीय स्तर पर नीति निर्माण जैसे दायित्व को निभायेगें तो पूरे भारतवर्ष में उद्योगों में काम करने वाले मजदूरों के जीवन में एक नई क्रांति लाएंगे तथा उद्योगहित में भी महत्वपूर्ण कदम उठाये जायेंगे।

कर्नल कटोच को सौपे गए अहम पदभार के लिए उनको क्षेत्रीय कार्यालय बद्दी में भारतीय मजदूर संघ के राज्य सदस्य एवं पूर्व उद्योग प्रभारी मेला राम चंदेल, सहायक निदेशक बद्दी चेरिंग सेमफल एवं चैबर आफ कामर्स के मुख्य सलाहकार देव व्रत यादव ने सम्मानित किया तथा आशा व्यक्त की कि कर्नल मंजीत कटोच इस अहम् पद पर आसीन होते हुए हिमाचल के मजदूरों एवं उद्योगों का विशेष ख्याल रखेगें। हिमाचल के लिए यह एक गौरवमयी क्षण है।

कर्नल मंजीत कटोच ने हिमाचल प्रदेश में बतौर क्षेत्रीय निदेशक ईएस आई अपने अल्प सेवा काल में बहुत ही रचनात्मक कदम उठायें है। कर्नल कटोच ने हिमाचल प्रदेश में मजदूर हित और उद्योगहित सर्वोपरि रखा। उन्होंने अपने कार्यकाल में क्षेत्रीय कार्यालय के भवन की कायापलट की है और ईएसआई योजना को हिमाचल के जिन पांच जिलों में योजना लागू नहीं थी वहां भी लागू किया है। यहाँ तक ही नहीं उन्होंने ईएएसआई अस्पतालों में मरीजों को मिलने वाले उपचार, दवा व देखरेख में भी सराहनीय कार्य किया है। होमी भाभा कैंसर हॉस्पिटल एंड रीसर्च सेंटर मुल्लांपुर चंडीगढ़ को ईएसआई में पंजीकृत कामगारों एवं उनके परिजनों को कैंसर जैसी जानलेवा बीमारी के उपचार के लिए नि:शुल्क टाई-अप करके उनके जीवन के एक नई रोशनी दी है।

नगर निकाय और पंचायती राज चुनाव हाईजैक करना चाहती है सुक्खू सरकार : डॉ. राजीव बिंदल

» प्रथम न्यूज । शिमला
22 मई (बी.शर्मा)

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल ने कांग्रेस सरकार और मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू पर नगर निकाय और पंचायती राज चुनावों को हाईजैक करने की साजिश रचने का गंभीर आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में हाल ही में हुए नगर निकाय चुनावों में भारतीय जनता पार्टी को मिली भारी सफलता से कांग्रेस पूरी तरह बौखला गई है और अब चुनावों के नियमों में बदलाव कर जनादेश को कुचलने का प्रयास किया जा रहा है।

डॉ. बिंदल ने कहा कि चुनाव प्रक्रिया के बीच में चेयरमैन और

वाइस चेयरमैन के चुनाव को प्रभावित करने के लिए नए नियम और नोटिफिकेशन लाने की तैयारी लोकतंत्र की खुली हत्या है। यह संविधान को तोड़-मरोड़ कर जनता के अधिकारों पर कुठाराघात करने का प्रयास है, जिसे भाजपाब किसी भी सूरत में स्वीकार नहीं करेगी।

उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार लगातार चुने हुए जनप्रतिनिधियों को डराने, धमकाने और धनबल का उपयोग कर अपने पक्ष में मतदान करवाने की कोशिश कर रही है। यह हिमाचल प्रदेश की लोकतांत्रिक परंपराओं और मूल भावना के बिल्कुल विपरीत है। कांग्रेस सत्ता बचाने के लिए सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग कर रही है और लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर करने का प्रयास कर रही है। डॉ. बिंदल ने कहा कि मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेताओं को यह समझ लेना चाहिए कि इस प्रकार के ओछे हथकंडों से उनकी सरकार बचने वाली नहीं है। हिमाचल प्रदेश की जनता ने मन बना लिया है कि कांग्रेस सरकार को हटाना है। जनता कांग्रेस की जनविरोधी नीतियों, सत्ता के दुरुपयोग और लोकतंत्र विरोधी मानसिकता से पूरी तरह तंग आ चुकी है।

उन्होंने कहा कि भाजपा प्रदेश की जनता और लोकतंत्र की रक्षा के लिए हर स्तर पर संघर्ष करेगी। यदि सरकार ने जनादेश को कुचलने और चुनाव प्रक्रिया से छेड़छाड़ करने का प्रयास किया तो भारतीय जनता पार्टी सड़कों से लेकर विधानसभा तक बड़ा आंदोलन करेगी।

चुनाव को शांतिपूर्ण ढंग से करवाने के लिए दिए जरूरी दिशा निर्देश

पट्टा मेहलोग में कराया द्वितीय चुनावी पूर्वाभ्यास, उपायुक्त सोलन भी रहे मौजूद

» प्रथम न्यूज । पट्टा मेहलोग
22 मई (तारा)

पंचायत चुनावों को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से शुक्रवार को पट्टा मेहलोग की राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में द्वितीय चुनावी पूर्वाभ्यास आयोजित किया गया। इस पूर्वाभ्यास में 80 प्रिजाइडिंग अधिकारियों, 240 पोलिंग अधिकारियों और 9 सेक्टर अधिकारियों ने भाग लिया।

इस अवसर पर उपायुक्त सोलन एवं जिला निर्वाचन अधिकारी मनमोहन शर्मा, एसडीएम बद्दी डॉ संजीव धीमान, बीडीओ पट्टा कुलदीप सिंह, तहसीलदार बद्दी सतिंदरजीत सिंह, नायब तहसीलदार बद्दी जगदीश मोदगिल और नायब तहसीलदार कृष्णगढ़ सूरत सिंह भी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने चुनाव ड्यूटी में तैनात कर्मियों को मतदान प्रक्रिया से संबंधित आवश्यक प्रशिक्षण प्रदान किया और चुनावों को संपन्न करवाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

प्रशिक्षण के दौरान मतदान कर्मियों को मतपेटी ट्रैकिंग सिस्टम एवं वोटर डे मोनेटरिंग सिस्टम के संबंध में भी विस्तृत जानकारी दी गई। अधिकारियों ने बताया कि इन आधुनिक प्रणालियों के माध्यम से चुनाव प्रक्रिया की निगरानी एवं पारदर्शिता को और अधिक सुदृढ़ बनाया जाएगा। साथ ही मतदान दलों को चुनाव सामग्री के रख-रखाव, मतदान केंद्रों पर व्यवस्थाओं तथा निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों का पूर्ण रूप से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए।

कुटलैहड़ की 14 करोड़ की तुरकाल पेयजल योजना से लाठियांनी वार्ड को मिलेगा लाभ : विवेक शर्मा

तीन माह के भीतर बनकर होगी तैयार, 60 प्रतिशत कार्य पूरा

» प्रथम न्यूज । बंगाणा
22 मई (जोगिंद्र देव आर्य)

कुटलैहड़ के विधायक विवेक शर्मा ने कहा कि लाठियांनी जिला पार्षद वार्ड की जनता को बेहतर पेयजल सुविधा उपलब्ध करवाने के लिए लगभग 14 करोड़ रुपये की लागत से तुरकाल पेयजल योजना पर कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस योजना के पूरा होने के बाद क्षेत्र के लोगों को पेयजल समस्या से काफी राहत मिलेगी और वर्षों पुरानी पानी की समस्या का स्थायी समाधान होगा। विधायक विवेक शर्मा ने कहा कि उनकी प्राथमिकता क्षेत्र के प्रत्येक गांव तक मूलभूत सुविधाएं पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार और स्थानीय प्रशासन के सहयोग से कुटलैहड़ विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्यों को तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि लाठियांनी जिला पार्षद वार्ड में कम बोल्टेज की समस्या को दूर करने के लिए 22 बड़े ट्रांसफार्मर लगाए गए हैं, जिससे लोगों को बिजली व्यवस्था में काफी सुधार देखने को मिला है। उन्होंने कहा कि पहले क्षेत्र के कई गांवों में कम वोल्टेज की समस्या के कारण लोगों को

भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता था। किसानों, दुकान दारों और घरेलू उपभोक्ताओं को बिजली उपकरण चलाने में दिक्कत आती थी, लेकिन अब ट्रांसफार्मर लगाए जाने के बाद स्थिति में सुधार हुआ है। विधायक ने कहा कि आने वाले समय में भी जहां आवश्यकता होगी वहां नई विद्युत योजनाएं शुरू की जाएंगी। विधायक विवेक शर्मा ने कहा कि क्षेत्र के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं देने के उद्देश्य से सिविल अस्पताल बंगाणा में अल्ट्रासाउंड मशीन स्थापित की गई है। उन्होंने बताया कि एक माह के भीतर अस्पताल में 500 से अधिक लोगों के मुफ्त अल्ट्रासाउंड किए जा चुके हैं, जिससे गरीब और जरूरत मंद परिवारों को बड़ी राहत मिली है। उन्होंने कहा कि पहले लोगों को अल्ट्रासाउंड करवाने के लिए ऊना, हमीरपुर या अन्य शहरों का रुख करना पड़ता था, जिससे समय और धन दोनों खर्च होते थे। अब बंगाणा अस्पताल में यह सुविधा उपलब्ध होने से स्थानीय जनता को घर-द्वार के पास स्वास्थ्य सेवाएं मिल रही हैं।

विधायक ने अपने राजनीतिक विरोधियों पर भी निशाना साधते हुए कहा कि जो लोग आज कांग्रेस पार्टी और मुख्यमंत्री के खिलाफ अनाप-शनाप बयानबाजी कर रहे हैं, वही लोग 14 महीनों तक कांग्रेस पार्टी में विधायक रह चुके हैं। उन्होंने कहा कि उस समय यही नेता केंद्र सरकार के खिलाफ लगातार बयान देते थे और अब राजनीतिक लाभ के लिए अपनी भाषा बदल रहे हैं।

विवेक शर्मा ने कहा कि जनता सब जानती है और क्षेत्र के लोग विकास कार्यों के आधार पर निर्णय लेते हैं। उन्होंने कहा कि उनकी राजनीति केवल बयानबाजी तक सीमित नहीं है, बल्कि धरातल पर विकास कार्य करवाना उनका उद्देश्य है। उन्होंने दावा किया कि कुटलैहड़ विधान सभा क्षेत्र में सड़क, बिजली, पानी और स्वास्थ्य के क्षेत्र में लगातार कार्य किए जा रहे हैं और आने वाले समय में भी विकास की यह गति जारी रहेगी। विधायक ने कहा कि कांग्रेस सरकार जनता से किए गए वादों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है और हर वर्ग के हितों को ध्यान में रखते हुए योजनाएं लागू की जा रही हैं।

पंचायत चुनावों के दौरान जिला में चरणबद्ध तरीके से शराब बिक्री पर रहेगा प्रतिबंध

उपायुक्त एवं ज़िला निर्वाचन अधिकारी मुकेश रेपसवाल ने जारी की अधिसूचना

चंबा (एएम नाथ)– पंचायती राज संस्थाओं के आम चुनाव-2026 के दृष्टिगत उपायुक्त एवं ज़िला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) मुकेश रेपसवाल ने जिला चंबा की समस्त ग्राम पंचायतों के मतदान क्षेत्रों में मतदान समाप्ति के लिए निर्धारित समय से पूर्व 48 घंटे की अवधि के दौरान किसी भी होटल, कैटरिंग हाउस, शराबखाने, दुकान अथवा अन्य किसी सार्वजनिक या निजी स्थान पर शराब (स्प्रिटयुक्त, किण्वित अथवा इस प्रकार के मादक पदार्थ) की बिक्री, वितरण अथवा परोसने पर प्रतिबंध लगाने संबंधी अधिसूचना जारी की है। यह प्रतिबंध राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देशों तथा हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम-1994 की धारा 158 (आर) के तहत लागू रहेगा। जारी अधिसूचना में कहा गया है कि प्रथम चरण के चुनावों के लिए 24 मई 2026 को सायं 3 बजे से लेकर 26 मई 2026 को मतगणना पूर्ण होने तक शराब बिक्री पर प्रतिबंध रहेगा। इसी प्रकार द्वितीय चरण के लिए 26 मई 2026 को सायं 3 बजे से 28 मई 2026 को मतगणना पूर्ण होने तक तथा तृतीय चरण के लिए 28 मई 2026 को सायं 3 बजे से 30 मई 2026 को मतगणना पूर्ण होने तक यह प्रतिबंध प्रभावी रहेगा। साथ में यह भी कहा गया है कि पंचायत समिति एवं ज़िला परिषद सदस्यों की मतगणना के दृष्टिगत 31 मई 2026 को संबंधित ब्लॉक मुख्यालयों एवं जिला मुख्यालय, जहां मतगणना केंद्र स्थापित किए गए हैं, मतगणना प्रक्रिया पूर्ण होने तक शराब बिक्री एवं वितरण पर प्रतिबंध लागू रहेगा। अधिसूचना में यह भी स्पष्ट किया गया है कि उल्लंघन करने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध नियम अनुसार करवाई अमल में लाई जाएगी। दोषी पाए जाने पर छह माह तक के कारावास अथवा जुर्माने या दोनों का प्रावधान है।

बेंगलुरु के गेंदबाजों पर बरसी हैदराबाद की तिकड़ी

पहले क्वालिफायर में गुजरात से होगी आरसीबी की जंग

अभिषेक शर्मा (56) की विस्फोटक बल्लेबाजी, ईशान किशन (79) की निडर अंदाज वाली पारी और हेनरिक क्लासेन (51) की ताकतवर हिटिंग के दम पर सनराइजर्स हैदराबाद ने शुक्रवार को राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में गत चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के विरुद्ध चार विकेट पर 255 रन का विशाल स्कोर खड़ा कर दिया। जवाब में आरसीबी की टीम 20 ओवर में 4 विकेट खोकर 200 रन ही बना सकी। हैदराबाद ने 55 रन से इस मैच को अपने नाम किया। हालांकि, हार के बाद भी आरसीबी प्वाइंट्स टेबल पर टॉप पर है। हैदराबाद और बेंगलुरु के 18-18 प्वाइंट्स हैं। पहले क्वालिफायर में आरसीबी का सामना गुजरात टाइटंस से होगा। 26 मई को यह मैच धर्मशाला में खेला जाएगा। 256 रन चेज करने उतरी आरसीबी की सलामी जोड़ी में बदलाव देखने को मिला। विराट कोहली के साथ इनफॉर्म वेंकटेश अय्यर मैदान पर आए। पिछले मैच में तूफानी अर्धशतक लगाने वाले अय्यर ने उसी फॉर्म को जारी रखा। उन्होंने पहले ही ओवर में पैट कमिंस पर प्रहार किया। चौथा ओवर करने आए शिवांग को तो वेंकटेश ने आड़े हाथों लिया और 3 छक्के जड़ दिए। 5वें ओवर में बड़ा शॉट खेलने के प्रयास में वेंकटेश की पारी का अंत हुआ। उन्होंने 19 गेंदों पर 44 रन ठोके। अगले ही ओवर में बिहार के लाल शाकिब हुसैन विराट कोहली (15) का शिकार किया। इसके बाद ईशान मलिंगा ने देवदत्त पडिक्कल (21) को अभिषेक के हाथों कैच आउट कराया।

हैदराबाद ने चुनी बल्लेबाजी

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी हैदराबाद को अभिषेक शर्मा ने तेज शुरुआत दी। उन्होंने सिर्फ 22 गेंदों में 56 रन की विस्फोटक पारी खेली, जिसमें कई दर्शनीय छक्के और चौके शामिल रहे। उन्होंने अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार को भी नहीं बख्शा। अभिषेक ने भुवनेश्वर की

गेंदों पर लगातार बड़े शॉट खेलकर यह साफ कर दिया कि सनराइजर्स किसी भी कीमत पर आक्रमण की नीति से पीछे हटने वाले नहीं हैं। उन्होंने महज 20 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया, जो आरसीबी के विरुद्ध उनका पहला अर्धशतक भी रहा।

ईशान ने ठोकी फिफ्टी

दूसरी ओर ईशान किशन ने संयम और आक्रामकता का शानदार मिश्रण पेश किया। किशन ने 44 गेंदों पर 79 रन की पारी खेली और मैदान के चारों ओर शॉ लगाए। आरसीबी के गेंदबाज लगातार उनकी पैड लाइन पर गेंदबाजी करते रहे, जिसका किशन ने पूरा फायदा उठाया। उन्होंने टाइमिंग और चतुराई के साथ गैप खोजे और रन गति को लगातार ऊंचा बनाए रखा। इस सीजन में किशन का यह प्रदर्शन उनके बढ़ते आत्मविश्वास का संकेत माना जा रहा है।

क्लासेन की क्लास पारी

हालांकि मैच का सबसे रोमांचक चरण तब आया जब क्लासेन बल्लेबाजी के लिए उतरे। क्लासेन ने 24 गेंदों में 51 रन बनाकर आरसीबी के गेंदबाजी आक्रमण की धज्जियां उड़ा दीं। दुनिया के खतरनाक टी-20 बल्लेबाजों में शामिल क्लासेन ने जोश हेजलवुड जैसे विश्वस्तरीय गेंदबाज को भी नहीं छोड़ा। उन्होंने हेजलवुड के एक ओवर में 27 रन बटोर लिए, जिसने मैच का पूरा रुख तय कर दिया। क्लासेन की पारी में ताकत और टाइमिंग का अद्भुत मेल देखने को मिला।

255 रन बनाए - सनराइजर्स हैदराबाद के बल्लेबाजों ने पूरे मैच में चौकों और छक्कों की बारिश की। टीम ने कुल 20 चौके और 16 छक्के लगाए। रोमेरियो शेफर्ड की मध्यम गति की गेंदबाजी हो या सुयश शर्मा की स्पिन, किसी भी गेंदबाज को राहत नहीं मिली। अभिषेक, किशन और क्लासेन ने मिलकर आरसीबी की रणनीति को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया। अंत में नीतीश कुमार रेड्डी ने भी 12 गेंदों पर अविजित 29 रन बनाकर टीम को 250 के पार पहुंचा दिया।

तिकड़ी का कमाल - सनराइजर्स की ओर से अभिषेक (563) के अलावा हेनरिक क्लासेन (606) और ईशान किशन (569) भी 500 से ज्यादा रन बना चुके हैं और आईपीएल इतिहास में यह दूसरा अवसर है, जब किसी टीम के तीन बल्लेबाजों ने 500 से ज्यादा रन बनाए हैं। इससे पहले 2025 में गुजरात टाइटंस के शुभमन गिल, साई सुदर्शन और जोस बटलर ने 500 से ज्याद रन बनाए थे।

विराट कोहली ने टी20 क्रिकेट में बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड, बाबर-हेल्स को पछाड़कर बताया कौन है असली 'किंग'

सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ खेलते हुए दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली ने इतिहास रच दिया है। उन्होंने ऐसा कारनामा किया है, जो दुनिया का कोई बल्लेबाज नहीं कर सका है। कोहली हैदराबाद के खिलाफ मुकाबले में बड़ी पारी नहीं खेल सके लेकिन उन्होंने बल्ले से इतिहास रच दिया है। कोहली 15 रन ही बना सके लेकिन उन्होंने खास कारनामा कर दिया।

मुकाबले में हैदराबाद ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 255 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। हैदराबाद के लिए अभिषेक शर्मा, ईशान किशन औ हेनरिक क्लासेन ने अर्धशतक लगाया। किशन ने आईपीएल में आरसीबी के खिलाफ लगातार चौथा अर्धशतक लगाया। हैदराबाद के खिलाफ रन चेज करने उतरी बेंगलुरु के लिए विराट कोहली और वेंकटेश अय्यर पारी की शुरुआत करने के लिए आए और उन्होंने इतिहास रच दिया।

विराट कोहली ने रचा इतिहास

विराट कोहली और वेंकटेश ने हैदराबाद के खिलाफ मुकाबले में ताबड़तोड़ शुरुआत की। दोनों ने 4.3 ओवरों में ही पहले विकेट के लिए 60 रनों की साझेदारी की। अर्धशतकीय साझेदारी के साथ कोहली ने इतिहास रच दिया है। वे मेंस टी20 में सबसे अधिक बार 50 या उससे अधिक रनों की साझेदारी में शामिल होने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। कोहली 211 बार 50+ रनों की साझेदारी में शामिल रहे हैं। उनसे अधिक बार किसी भी बल्लेबाज ने ऐसा कारनामा नहीं किया है। उन्होंने एलेक्स हेल्स के रिकॉर्ड को ध्वस्त कर दिया है।

मेंस T20s में सबसे अधिक 50+ रनों की साझेदारियों में शामिल बल्लेबाज-

विराट कोहली - 211
एलेक्स हेल्स - 210
डेविड वॉर्नर - 200
बाबर आजम - 196
क्रिस गेल - 191

विराट कोहली का शानदार प्रदर्शन

विराट कोहली ने आईपीएल 2026 में शानदार खेल दिखाया है। वे बेहतरीन फॉर्म में चल रहे हैं और 14 मैचों में 557 रन बना चुके हैं। कोहली का इस दौरान औसत 50.64 और स्ट्राइक रेट 163.82 की रही है। इस दौरान उन्होंने 4 अर्धशतक और एक शतक लगाए हैं। कोहली की बेहतरीन बैटिंग का ही नतीजा है कि टीम प्लेऑफ में पहले ही पहुंच चुकी है। कोहली आईपीएल में अब तक दो बार ऑरेंज कैप जीत चुके हैं और इस बार भी वे रेस में बने हुए हैं।

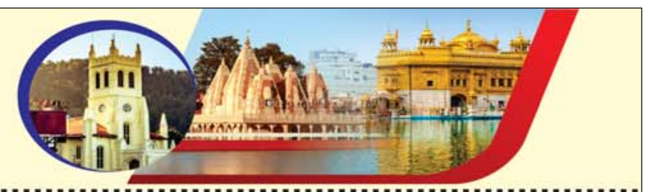

अंतरराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस पर पर्यावरण संरक्षण का संदेश

चंडीगढ़, 22 मई (पुनीत महाजन) द एनवायरमेंट सोसाइटी ऑफ इंडिया, चंडीगढ़ द्वारा अंतरराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस के अवसर पर लोगों को प्रकृति संरक्षण और पर्यावरण संतुलन बनाए रखने का संदेश दिया गया। इस वर्ष जैव विविधता दिवस की थीम प्रकृति के साथ सामंजस्य और सतत विकास रखी गई है। संस्था ने अपने संदेश में कहा कि जैव विविधता जीवन की नींव है। यह हमारे पर्यावरण को सुरक्षित रखने, अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने और मानव जीवन के कल्याण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। संस्था ने लोगों से अपील की कि वे प्रकृति और वन्य जीवों की रक्षा करें तथा आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित और स्वच्छ वातावरण तैयार करने में अपना योगदान दें।

इस अवसर पर संस्था ने नागरिकों से निम्नलिखित कदम अपनाने की अपील की: जंगलों, वन्य जीवों और प्राकृतिक आवासों की रक्षा करें।

जल, मिट्टी और ऊर्जा का संरक्षण करें। प्लास्टिक और कचरे का उपयोग कम करें तथा पुनः उपयोग और रीसाइक्लिंग को बढ़ावा दें। अधिक से अधिक पेड़ लगाएं और हरियाली बढ़ाएं। जैव विविधता संरक्षण अभियानों में भाग लें। पर्यावरण संरक्षण के प्रति लोगों में जागरूकता फैलाएं।

संस्था ने कहा कि छोटे-छोटे प्रयास आज हमारे कल को सुरक्षित और मजबूत बना सकते हैं। सभी नागरिकों से मिलकर प्रकृति संरक्षण के लिए आगे आने और जैव विविधता को बचाने का आह्वान किया गया। हमारी जैव विविधता, हमारी जिम्मेदारीआज छोटे कदम, कल मजबूत पृथ्वी।

नाबालिक के साथ रेप और धर्म परिवर्तन का आरोपी इंस्पेक्टर अमरेंद्र की अगुवाई में शिवली में गिरफ्तार

» प्रथम न्यूज । कानपुर

22 मई (सुनील बाजपेई)

यहां शिवली थाना क्षेत्र में जन शिकायतों के निस्तारण के साथ ही हर तरह के अपराधियों के खिलाफ जारी प्रभावी कार्यवाही के क्रम में एक नाबालिक लड़की का अपहरण करने के बाद उसके साथ बलात्कार करने और फिर उस पर धर्म परिवर्तन के लिए दबाव डालने वाले आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त कर ली गई। देहात में महिला सम्बन्धी अपराधों की रोकथाम हेतु चलाये जा रहे विशेष अभियान के क्रम में वादी की नाबालिग भांजी को बहला-फुसलाकर ले जाने के सम्बन्ध में दिये गये दिये गये प्रार्थना पत्र के आधार पर थाना स्थानीय पर चन्दू मंसूरी उर्फ चांद पुत्र हामिद मंसूरी उम्र करीब 20 वर्ष निवासी ग्राम शंकर नगर के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने के बाद कानून और शांति व्यवस्था की पक्ष में अपराधियों के खिलाफ और पीड़ितों के हित में प्रभावी कार्यवाही में अपनी चुनौती पूर्ण नौकरी की शुरुआत से ही अग्रणी इंस्पेक्टर अमरेंद्र बहादुर सिंह सिंह ने अपहरण की गई नाबालिक को सकुशल बरामद भी कर लिया। शिवत्व यानी भगवान शंकर स्वभाव वाले इंस्पेक्टर अमरेंद्र बहादुर सिंह के कुशल नेतृत्व में आरोपी को पांडव नदी पुल के पास से गिरफ्तार करने वाली उनकी टीम में सब इंस्पेक्टर आनंद कुमार पांडे और कांस्टेबल रवि कुमार भी शामिल रहे।

स्थानीय सूत्रों का दावा है कि जब से व्यवहार कुशलता में अग्रणी निष्पक्ष और पारदर्शी कार्यशैली को महत्व देने वाले इंस्पेक्टर अमरेंद्र बहादुर सिंह ने शिवली की कमान संभाली है तब से पीड़ितों की सहायता के साथ ही अपराधियों के खिलाफ प्रभावी कार्यवाही में इज़ाफा होने से क्षेत्र की जनता भी संतुष्टि के दायरे में है। जहां तक किसी की भी किसी भी पद या स्थान पर नियुक्ति का सवाल है। इसके आध्यात्मिक पक्ष के मुताबिक स्थानांतरण या किसी भी पद पर नियुक्ति के रूप में आपके कदम धरती के उस स्थान पर भी पड़ते हैं ,जहां जन्म के बाद पहले कभी नहीं पड़े होते और उन लोगों से भी मुलाकात होती है ,जिनसे पहले कभी नहीं मिले होते।

खास बात यह भी कि किसी भी पीड़ित की परेशानी का निस्तारण संबंधित के प्रति दुआओं का भी सृजक होता है जो कि उसके जीवन में फलित भी अवश्य ही होती हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि किसी के प्रति भी दुआओं और बद्दुआओं के रूप में बोले गए शब्द कभी नष्ट नहीं होते। ....और अगर होते तो हमारी या किसी की भी मोबाइल से बात नहीं होती ,क्योंकि अजर, अमर, अविनाशी अक्षर से शब्द और शब्द से बने वाक्य ही लिखने, पढ़ने और बोलने के रुप में ही इस संसार का संचालन करते हैं। मतलब अगर कुछ लिखा न जाए , पढ़ा ना जाए या कुछ कहा और बोला ना जाए तो इस संसार का संचालन हो ही नहीं सकता।

इसी के साथ साधारण या फिर किसी सक्षम पद के रूप में पुलिस विभाग में सेवारत होना भी संसार के अन्य सभी पदों और विभागों की अपेक्षा सर्वाधिक महत्वपूर्ण इसलिए है, क्योंकि संसार के संचालन की ईश्वरीय व्यवस्था में जितनी बड़ी महत्वपूर्ण भूमिका पुलिस विभाग की है, उतनी बड़ी महत्वपूर्ण भूमिका संसार के किसी अन्य विभाग अथवा किसी अन्य सर्वोच्च पद धारक की भी कदापि नहीं , पुलिस विभाग में किसी भी पदधारक के रूप में यह महत्वपूर्ण भूमिका संसार में इंसान के जन्म के पहले शुरू होती है और मरने के बाद भी जारी रहती है द्य यहां जन्म से पहले मतलब शिकायत पर इस आशय की जांच और विवेचना के रुप में कि पेट में बच्चा किसका है और मृत्यु के बाद भी इस आशय से कि हत्या किसने की है? मतलब जन्म के पहले से लेकर मृत्यु के बाद तक जैसी इतनी बड़ी भूमिका पुलिस के अलावा संसार के किसी भी विभाग या उसके सर्वोच्च पद धारक की भी कदापि नहीं है। यही नहीं जन्म से लेकर मृत्यु तक के बीच के समय यानी जीवन को व्यक्ति के कर्मों के अनुरूप सुख या दुख में बदलने के साथ ही उचित पात्र लोगों के जीवन को बचाने और अपराध के रूप में जनहित के विपरीत आचरण करने वाले के जीवन को मृत्यु (मुठभेड़) के रूप में समाप्त करने की भी क्षमता , सक्षमता और समर्थता शरीर धारी के रूप में वह रखता है ,जिसे पुलिस कहते हैं।

अखिल भारतीय कायस्थ महासभा, NCR की महत्वपूर्ण बैठक 23 मई को नोएडा में

नई दिल्ली (डॉ. बी. के. मल्लिक) अखिल भारतीय कायस्थ महासभा, NCR द्वारा कायस्थ समाज की एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन शनिवार, 23 मई 2026 को प्रातः 11:00 बजे आर्मी वेटरन्स इंस्टीट्यूट (AVI), सेक्टर-29, नोएडा में किया जा रहा है। बैठक के उपरांत सादा कार्य-भोज का भी आयोजन रखा गया है।

अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ अनूप कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि इस बैठक का मुख्य उद्देश्य समाज में एकजुटता, भाईचारा एवं संगठनात्मक समन्वय को और अधिक मजबूत करना है। वर्तमान समय में समाज जिन असंगठित परिस्थितियों एवं चुनौतियों का सामना कर रहा है, उन्हें दूर करने तथा समाज को एक मजबूत दिशा देने के लिए यह बैठक अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जा रही है। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ होगा। इस अवसर पर मुख्य रूप से प्रभात कुमार पूर्व कैबिनेट सैक्रेटरी एवं झारखंड के प्रथम राज्यपाल उपस्थित रहेंगे। वे प्रशासनिक एवं सामाजिक क्षेत्र में अपने अनुभवों से सदैव समाज को नई दिशा प्रदान की है।

बैठक के मुख्य अतिथि के रूप में योगेंद्र नारायण, पूर्व राज्यसभा सचिव उपस्थित रहेंगे। उनके साथ अनेक गणमान्य संरक्षकगण, वरिष्ठ समाजसेवी एवं समाज के विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े प्रतिष्ठित लोग भी कार्यक्रम में सहभागिता करेंगे। महासभा के पदाधिकारियों ने NCR क्षेत्र सहित आसपास के सभी कायस्थ समाज के लोगों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर समाज की एकता एवं संगठन को मजबूत बनाने का आह्वान किया है। उनका मानना है कि समाज की प्रगति, सम्मान और भविष्य की मजबूती के लिए सामूहिक सहभागिता एवं संवाद अत्यंत आवश्यक है।

यह बैठक सामाजिक समरसता, संगठनात्मक विस्तार और समाज के युवाओं को नई दिशा देने की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

दिव्यांग कर्मचारियों एवं नागरिकों की मांगों पर प्रशासन ने मांगी विभागों से रिपोर्ट

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़

22 मई (पुनीत महाजन)

सामाजिक कल्याण, महिला एवं बाल विकास विभाग, चंडीगढ़ प्रशासन द्वारा दिव्यांग कर्मचारियों एवं नागरिकों की लंबित मांगों को लेकर महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। विभाग की ओर से जारी पत्र के माध्यम से चंडीगढ़ प्रशासन के सभी विभागाध्यक्षों, बोर्डों एवं कॉरपोरेशनों को फिजिकली हैंडीकैप्ड एसोसिएशन, पंजाब, चंडीगढ़ द्वारा प्रस्तुत मांगों के चार्टर पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं।

नोडल अधिकारी (दिव्यांगता) एवं निदेशक सामाजिक कल्याण, महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से जारी पत्र में बताया गया है कि फिजिकली हैंडीकैप्ड एसोसिएशन, पंजाब, चंडीगढ़ के अध्यक्ष हरविंदर पाल सिंह द्वारा दिनांक 13 मई 2026 को भेजे गए मांग पत्र को प्रशासन ने गंभीरता से लिया है।

पत्र के अनुसार विशेष रूप से मांग पत्र के बिंदु संख्या 1, 9 एवं 10 पर संबंधित विभागों से टिप्पणियां एवं स्थिति रिपोर्ट मांगी गई है, ताकि दिव्यांग व्यक्तियों (PWDs) के कल्याण हेतु आवश्यक कदम उठाए जा सकें।

प्रशासन ने सभी विभागों से कहा है कि वे अपनी रिपोर्ट शीघ्र अतिशीघ्र सीधे फिजिकली हैंडीकैप्ड एसोसिएशन, पंजाब, चंडीगढ़ को भेजें।

दिव्यांग संगठनों ने प्रशासन के इस कदम का स्वागत करते हुए उम्मीद जताई है कि लंबे समय से लंबित मांगों का जल्द समाधान होगा और दिव्यांग कर्मचारियों एवं नागरिकों को उनके अधिकारों के अनुरूप सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

थाना चीका अंतर्गत विदेश भेजने के नाम पर 14 लाख रुपए ठगी मामले में आरोपी

» प्रथम न्यूज । कैथल

22 मई (कृष्ण गर्ग)

विदेश भेजने के सब्जबाग दिखाकर आमजन से ठगी करने वाले आरोपियों पर एसपी मनप्रीत सिंह सूदन के निर्देशानुसार जिला पुलिस द्वारा शिकंजा कसा जा रहा है। ऐसे ही इंग्लैंड व ऑस्ट्रेलिया भेजने के नाम पर लाखों की ठगी करने के एक मामले की जांच एंटी एमिग्रेशन सैल प्रभारी पीएसआई शुभ्रांशु की अगुवाई में एएसआई सुरेंद्र सिंह की टीम द्वारा करते हुए आरोपी दाना मंडी लुधियाना निवासी जगजीत सिंह को काबु कर लिया गया।

पुलिस प्रवक्ता ने बताया की गांव सेर जिला कैथल निवासी गुरुदेव सिंह कि शिकायत अनुसार उसके गांव में प्यारा सिंह कपड़ा बेचने के लिए आता था, जिसने उसके पिता को कहा कि उसका भतीजा व उसके जानकार विदेश भेजने का काम करते हैं। प्यार सिंह के भतीजे ने उनकी मुलाकात जगजीत व अन्य से करवाई। जिन्होंने कहा कि वो उसके लड़के को भी इंग्लैंड व ऑस्ट्रेलिया भेज देगें जिससे वह उनसे गांव पीडल में मिले वह कागजात दे दिए। जिससे कुछ दिन बाद आरोपियों ने कहा कि तुम्हारा यूके के वीजा अप्लाई किया हैं बायोमेट्रिक के लिए 20 हजार रुपये मागें। जिसके कुछ दिनों बाद वीजा, टिकट आदि को लेकर आरोपियों ने उससे कुल 14 लाख रुपये की ठगी की। उसके द्वारा पैसे वापस मांगने पर आरोपियों ने जान से मारने की धमकियां देनी शुरू कर दी और बाद में फोन उठाना भी बंद कर दिया। जिस बारे थाना चीका में मामला दर्ज कर लिया गया। आरोपी से व्यापक पूछताछ के लिए न्यायालय से 3 दिन का पुलिस रिमांड हासिल किया गया हैं।

थाना तितरम पुलिस द्वारा शराब तस्कर काबू, 135 लीटर लाहण बरामद

कैथल, 22 मई (कृष्ण गर्ग)- एसपी मनप्रीत सिंह सूदन के आदेशानुसार थाना तितरम पुलिस द्वारा अवैध शराब का धंधा करने वाले अपराधियों पर कार्रवाई करते हुए गांव प्योदा से एक आरोपी को 135 लीटर लाहण सहित काबू किया गया है।

पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि थाना तितरम पुलिस के एएसआई राममेहर सिंह की टीम द्वारा एक गुप्त सूचना के आधार पर गांव प्योदा निवासी बलजीत सिंह के खेत कोठा पर दबिश देकर संदिग्ध बलजीत सिंह को काबू कर लिया गया। जांच दौरान खेत कोठा में रखे ड्रम से 135 लीटर लाहण बरामद हुआ। आरोपी के खिलाफ थाना तितरम में मामला दर्ज करके पुलिस द्वारा नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है।

प्रथम न्यूज
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

Website : www.prathamnews.in

उज्जैन में बाबा महाकाल के चरणों में नतमस्तक हुए टीवी अभिनेता मंदार चंदवाडकर

महाकाल मंदिर में अभिनेता का पारंपरिक स्वागत, श्रद्धालुओं ने खिंचवाई तस्वीरें, मंदार चंदवाडकर बोले, बाबा महाकाल के दरबार में मिलती है अद्भुत शांति और सकारात्मक ऊर्जा

» प्रथम न्यूज । उज्जैन

22 मई (विशाल सिंह ठाकुर)

विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर में शुक्रवार को प्रसिद्ध टीवी अभिनेता मंदार चंदवाडकर ने परिवार सहित बाबा महाकाल के दर्शन कर पूजा-अर्चना की। लोकप्रिय टीवी शो तारक मेहता का उल्टा चश्मा में 'आत्माराम भिड़े' की भूमिका निभाकर घर-घर में पहचान बनाने वाले अभिनेता दोपहर के समय मंदिर पहुंचे। मंदिर पहुंचने पर प्रशासनिक अधिकारियों और पुजारियों द्वारा उनका पारंपरिक स्वागत किया गया।

अभिनेता ने मंदिर के गर्भगृह के बाहर से भगवान महाकाल का पूजन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान उन्होंने पूरे विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना की और बाबा महाकाल के जयकारे लगाए।

दर्शन के समय मंदिर परिसर भक्तिमय माहौल से गूंज उठा। मंदार चंदवाडकर ने भगवान महाकाल से देशवासियों की सुख-समृद्धि, शांति और अच्छे स्वास्थ्य की कामना की। मंदिर परिसर में मौजूद श्रद्धालुओं ने अभिनेता को अपने बीच देखकर उत्साह व्यक्त किया। कई श्रद्धालुओं और प्रशंसकों ने उनके साथ तस्वीरें खिंचवाई और बातचीत भी की।

जैसे ही मंदिर में उनके पहुंचने की जानकारी फैली, प्रशंसकों की भीड़ अभिनेता की एक झलक पाने के लिए उमड़ पड़ी। सुरक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए मंदिर प्रशासन द्वारा आवश्यक व्यवस्थाएं भी की गईं।

दर्शन के बाद मीडिया से चर्चा करते हुए मंदार चंदवाडकर ने कहा कि बाबा महाकाल के दरबार में आकर उन्हें हमेशा अद्भुत शांति और सकारात्मक ऊर्जा की अनुभूति होती है। उन्होंने कहा कि उज्जैन आना उनके लिए केवल यात्रा नहीं बल्कि एक आध्यात्मिक अनुभव होता है। उन्होंने बताया कि जब भी उन्हें अवसर मिलता है, वह बाबा महाकाल के दर्शन के लिए अवश्य आते हैं।

अभिनेता ने कहा कि महाकाल मंदिर की दिव्यता और यहां का आध्यात्मिक वातावरण मन को गहरी शांति प्रदान करता है। उन्होंने उज्जैनवासियों के स्नेह और मंदिर प्रशासन की व्यवस्थाओं की भी सराहना की। मंदिर में दर्शन के दौरान श्रद्धालुओं में खासा उत्साह देखने को मिला और कई लोगों ने अभिनेता के साथ सेल्फी लेकर इस पल को यादगार बनाया।

उल्लेखनीय है कि श्री महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर देश के 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक है, जहां प्रतिदिन हजारों श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं। धार्मिक और आध्यात्मिक दृष्टि से यह मंदिर देशभर के श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र माना जाता है।

श्रद्धालुओं की सुविधाओं का किराया तय

टेंट में दूसरे ठहरने दिन पर 30% छूट; यात्रा 3 जुलाई से

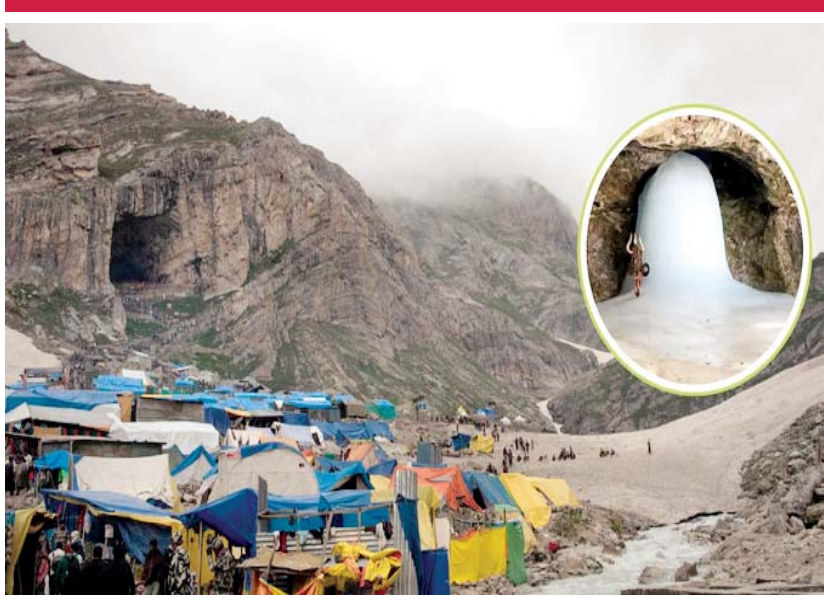

अमरनाथ यात्रा तीन जुलाई से शुरू हो रही है। यात्रा पर जाने वाले श्रद्धालुओं की सुविधाओं के लिए प्रशासन ने पोनी (घोड़े), पालकी और निजी टेंटों में ठहरने का किराया तय कर दिया है। नई दरें 27 जुलाई तक लागू रहेंगी। इसके बाद इनकी समीक्षा होगी। खास बात ये है कि निजी टेंटों में लगातार दूसरे या उससे अधिक दिनों तक रुकने वाले यात्रियों को किराये में 30 फीसदी की विशेष छूट दी जाएगी।

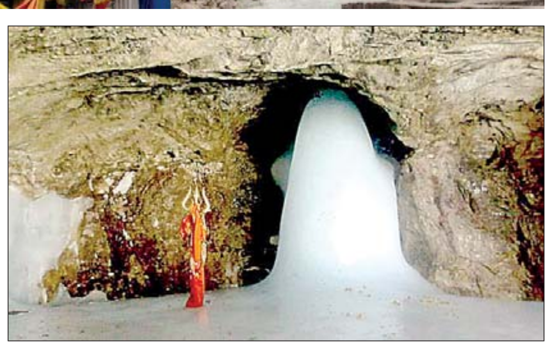

अनंतनाग के उपायुक्त एवं यात्रा अधिकारी डॉ. बिलाल मोइउद्दीन भट ने सुविधाओं के लिए नई दरें अधिसूचित कर दी हैं। उपायुक्त ने कहा कि श्रद्धालुओं से तय किराये से अधिक वसूले जाने की शिकायत मिलेगी तो कार्रवाई की जाएगी। संबंधित सेवा प्रदाता का परमिट भी रद्द किया जा सकता है। अधिसूचना के अनुसार निजी टेंटों में जमीन पर सोने और बेड की सुविधा रहेगी। इसमें श्रद्धालुओं को दो रजाई, गद्दे, कंबल या स्लीपिंग बैग और एक तकिया दिया जाएगा। पिछले साल भी यही सुविधा मिलती थी।

टेंट में ठहरने का किराया (रुपये में)

	जमीन पर		बेड पर		
स्थान		इस वर्ष	पिछले साल	इस वर्ष	पिछले साल
नुनवान	400	370	550	500	
चंदनवाड़ी	400	380	530	500	
शेषनाग	650	600	750	700	
पंजतरणी	750	700	850	800	

पालकी में छह लोगों का किराया (रुपये में)

चंदनवाड़ी से पिस्सू टॉप	3290
पिस्सू टॉप से चंदनवाड़ी	2470
चंदनवाड़ी से जोगीबल	7210
जोगीबल से चंदनवाड़ी	6690
चंदनवाड़ी से शेषनाग	9780
शेषनाग से चंदनवाड़ी	9270
चंदनवाड़ी से वावबल	10,300
वावबल से चंदनवाड़ी	9780
चंदनवाड़ी से एमजी टॉप	10,300
एमजी टॉप से चंदनवाड़ी	9990
चंदनवाड़ी से पोशपथरी	11,020
पोशपथरी से चंदनवाड़ी	9780
चंदनवाड़ी से पंजतरणी	11,840
पंजतरणी से चंदनवाड़ी	10,300
पंजतरणी से गुफा	3810
गुफा से पंजतरणी	3600
चंदनवाड़ी से गुफा तक	20,600
गुफा से चंदनवाड़ी	18,540

पिछले साल पालकी का ये था किराया

गत वर्ष छह लोगों की पालकी का किराया चंदनवाड़ी से पिस्सू टॉप तक 3200 रुपये, चंदनवाड़ी से एमजी टॉप तक 10 हजार रुपये और चंदनवाड़ी से गुफा तक 20 हजार रुपये था।

अमरनाथ यात्रा में अब टेंट नहीं, प्री-फ्रैब में रहेंगे भोले के भक्त; बेस कैंपों में युद्धस्तर पर चल रही तैयारी

3 जुलाई से शुरू होने वाली अमरनाथ यात्रा के लिए जम्मू-श्रीनगर में बहुत तेजी से तैयारियां चल रही हैं. इस साल भगवान शिव के भक्तों को एक ही छत के नीचे रहने की सभी सुविधाएं मिलेंगी. बेस कैंपों पर बने लैंडमार्क प्रीफैब और फाइबर स्ट्रक्चर वाली इमारतें लाखों शिव भक्तों की मेजबानी के लिए तैयार हैं.

क्या है प्री-फैब्रिकेटेड और फाइबर स्ट्रक्चर?

अब टेंट की जगह भगवान शिव के भक्तों को मुख्य बेस कैंपों पर हर मौसम का सामना करने वाले प्री-फैब्रिकेटेड और फाइबर स्ट्रक्चर मिलेंगे, ताकि अमरनाथ यात्रियों को आरामदायक और आधुनिक आवास मिल सके. नुनवन, बालटाल और पंथा चौक पर यात्री निवास आधुनिक सुविधाओं के साथ भक्तों को खराब मौसम से बचाने और उन्हें हर तरह का आराम देने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं.

यात्रा के दौरान बेस कैंप काफी ऊंचाई पर मौजूद हैं. अमरनाथ गुफा 12756 फीट की ऊंचाई पर है, इसलिए सर्दियों के हिसाब से तैयार किए गए ये नए फाइबर स्ट्रक्चर तापमान में अचानक गिरावट और बारिश से निपटने के लिए एक बड़ा सुधार हैं.

कौन-कौन रह सकेगा इन इमारतों में

इन इमारतों में आधुनिक और सुरक्षित आवास की सुविधा है, जो हजारों भक्तों की मेजबानी के लिए जरूरी सुविधाओं से लैस हैं. यात्रा के लिए दो मार्ग हैं.

इनमें पहला है नुनवन बेस कैंप, जो परंपरागत पहलगाम मार्ग पर मौजूद है, वहीं दूसरा बालटाल है जो गांदरबल जिले में है. यहां अधिकारियों ने हर मौसम का सामना करने वाले फाइबर और लोहे से बने प्रीफैब यूनिट बनाए हैं.

इन स्ट्रक्चर में कई कमरे और अटैच्ड वॉशरूम हैं, जिनमें गर्म और ठंडे पानी की सुविधाएं हैं. हर इमारत के अंदर एक पैंट्री भी है. इस साल यात्रा पर जाने वाले सभी पंजीकृत तीर्थयात्री चाहे वे VIP हों या आम भक्त, इन स्ट्रक्चर में रह सकेंगे. इन जगहों पर काम तीन साल पहले शुरू हुआ था और अब यह पूरा होने वाला है.